पटना ●शनिवार, 07 सितम्बर 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः238 www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र
RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्यमंत्री ने वीडियो... 3 www. bordernewsmirror.com लाइट ब्राउन कलर की ... 8

पीएम मोदी ने की जल संचय जन भागीदारी योजना की शुरुआत

कहा-आने वाली पीढ़ियां हमारे कामों का आंकलन करेंगी तो पानी उनका पहला पैरामीटर होगा

सूरत (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से शुक्रवार को सूरत में 'जल संचय जन भागीदारी' पहल की शुरुआत की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जल संरक्षण में सामुदायिक भागीदारी को बढ़ाना है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केन्द्रीय जल मंत्री सीआर पाटिल समेत कई मंत्री और सभी जिलों के कलेक्टर भी ऑनलाइन जुड़े। अपने संबोधन में पीएम ने कहा- जल संचय एक पॉलिसी नहीं है, प्रयास और पुण्य भी है। इसमें उत्तरदायित्व भी है। आने वाली पीढ़ियां जब हमारे कामों का आंकलन करेंगी तो पानी का आंकलन उनका पहला पैरामीटर होगा। क्योंकि, यह प्रश्न संसाधनों का नहीं, यह प्रश्न जीवन का है। इसलिए हमने हमारे 9 संकल्पों में जल संरक्षण को पहले नंबर पर रखा है। आज देश में कितनी सारी विशाल नदियां हैं, लेकिन इसके बावजूद हमारे एक भू-भाग को पानी की कमी से जूझना पड़ रहा है। कई जगह पानी का स्तर लगातार गिर रहा है। यह संकट पूरी दुनिया में और गहराता जा रहा है।

रहिमन पानी रखिए बिन पानी सब सून

पीएम ने आगे कहा- हम उस संस्कृति के लोग हैं, जहां जल को ईश्वर का रूप कह गया गया है। नदियों को देवी, सरोवर, कुंड को देवालय का दर्जा दिया गया है। गंगा, नर्मदा गोदावरी जैसी सभी नदियां हमारी मां हैं। हमारा यह रिश्ता आज का नहीं, हजारों वर्षों पुराना है। हमारे ग्रंथों में कहा गया है कि सभी प्राणी जल से ही उत्पन्न हुए हैं। जल से ही जीते हैं। इसलिए जलदान यानी कि दूसरों के लिए पानी बचाना यह सबसे बड़ा दान है। यही बात सैकड़ों साल पहले रहीम दास ने भी कही थी- रहिमन पानी रखिए, बिन पानी सब सून।

जल संरक्षण में गुजरात दुनिया के लिए उदाहरण

पीएम मोदी ने गुजरात मे पानी की कमी की बात को उठाते हुए कहा- दो-ढाई दशक पहले तक सौराष्ट्र और उत्तर गुजरात की हालत क्या थी। यह हम सभी ने देखा है। मैं जब गुजरात का मुख्यमंत्री बना तो मेरा पहला संकल्प यही था कि गुजरात में पानी की समस्या खत्म कर दुनिया को बताकर रहूंगा कि जल संकट का भी समाधान हो सकता है। इसके लिए हमने गुजरात में सौनी यौजना शुरू की थी। इस प्रोजेक्ट के तहत जहां पानी अधिक था, वहां से पानी जल संकट वाले इलाकों में पहुंचाया गया। इसके लिए भी विपक्ष के लोग हमारा मजाक उड़ाते हुए कहते थे कि पानी के इन पाइपों से हवा निकलेगी लेकिन, आज गुजरात में जल संरक्षण का उदाहरण दुनिया के सामने है। गुजरात की यही सफलता पूरी दुनिया को बताती है कि जल का संरक्षण किया जा सकता है। सूरत नगर पालिका ने शहर में भूजल स्तर बढ़ाने के लिए 27 करोड़ की लागत से 200 से अधिक जल संरक्षण के प्रोजेक्ट शुरू किए। इसके अलावा, तापी, डांग, वलसाड में भी कई प्रोजेक्ट्स की शुरुआत की गई है।

सुमुख योग में आज विराजेंगे विघ्न विनाशक

घर-घर होगी स्थापना,दिनभर में 3 विशेष मुहूर्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। कल 7 सितंबर को गणेश चतुर्थी है। इस दिन देशभर में गणपति स्थापना होगी। इसके लिए दिनभर में 3 मुहूर्त रहेंगे। मूर्ति स्थापना सूर्यास्त के पहले करने का विधान है। गणेश पुराण के मुताबिक गणपति का जन्म चतुर्थी तिथि और चित्रा नक्षत्र में मध्याह्न काल, यानी दिन के दूसरे पहर में हुआ था। ये शुभ काल सुबह 11.20 बजे से शुरू हो रहा है। गणेश चतुर्थी पर इस बार सुमुख नाम का शुभ योग बन रहा है। ये गणेशजी का एक नाम भी है। इसके साथ पारिजात, बुधादित्य और सर्वार्थसिद्धि योग बन रहे हैं। ज्योतिषियों का मानना है कि इस संयोग में गणपति स्थापना का शुभ फल और बढ़ जाएगा। ग्रंथों के मुताबिक वैसे तो गणेशजी के कई रूप हैं, लेकिन भादो के महीने में आने वाली इस गणेश चतुर्थी पर सिद्धि विनायक रूप में गणेशजी को पूजने का विधान है। गणेशजी के इस रूप की पूजा भगवान विष्णु ने की और ये नाम भी दिया। पूरे गणेशोत्सव में हर दिन गणपति के सिर्फ तीन मंत्र का जाप करने से भी पुण्य मिलता है। सुबह नहाने के बाद गणेशजी के मंत्रों को पढ़कर प्रणाम कर के ऑफिस-दुकान या किसी भी काम के लिए निकलना चाहिए। गणेश चतुर्थी पर देशभर में गणपति जी के जयकारों की गूंज सुनाई देगी। हर साल भाद्रपद महीने की शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि के दिन बहुत ही धूमधाम से देशभर में गणेश चतुर्थी का पर्व मनाया जाता है। बहुत ही धूमधाम से देशभर में गणेश उत्सव मनाते हैं। गणेश चतुर्थी से ही इसका शुरुआत हो जाती है और यह अनंत चतुर्दशी तक चलता है। गणेश चतुर्थी के दिन गणपति जी को घर, पंडाल में विराजमान किया जाता है। गणेशजी की स्थापना शुभ मुहूर्त में ही करनी चाहिए। ऐसा करने से बुद्धि में वृद्धि होने के साथ ही जीवन में सुख समृद्धि आती है। पंचांग के अनुसार, गणेश चतुर्थी तिथि की शुरुआत 6 सितंबर को दोपहर में 3 बजकर 2 मिनट से पर आरंभ होगी। चतुर्थी तिथि का समापन 7 सितंबर को शाम में शाम 5 बजकर 38 मिनट पर। उदया तिथि के हिसाब से गणेश चतुर्थी का व्रत और गणेशजी की स्थापना कल 7 सितंबर को की जाएगी।

वक्फ बोर्ड बिल पर जेपीसी बैठक में जबरदस्त घमासान

- संजय सिंह समेत विपक्ष के कई नेता भिड़े, मोदी सरकार को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार कर रही संयुक्त संसदीय समिति की गुरुवार को हुई बैठक में सांसदों ने शीर्ष अधिकारियों से कई कड़े सवाल किए, जिसमें विपक्षी दलों के सदस्यों ने तर्क दिया कि मंत्रालय मसौदा विधेयक पर स्वतंत्र रूप से विचार नहीं कर रहे हैं और केवल सरकारी नजरिए का ही अनुसरण कर रहे हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार कर रही संयुक्त संसदीय समिति को गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में मौजूद वक्फ संपत्तियों से अवगत कराया गया जिसमें सड़क परिवहन एवं रेल मंत्रालयों से संबंधित भूमि पर उपस्थित संपत्तियां शामिल हैं। इस बैठक में शहरी मामलों एवं सड़क परिवहन विभाग के सचिव अनुराग जैन और रेलवे बोर्ड के सदस्य (अवसंरचना) अनिल कुमार खंडेलवाल तथा संबंधित मंत्रालयों के अधिकारियों ने प्रस्तुति दी। बैठक में भारतीय जनता पार्टी , तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कल्याण बनर्जी और आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संजय सिंह सहित विपक्ष के सदस्यों के बीच तीखी बहस भी हुई, जिसके कारण समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल को हस्तक्षेप करना पड़ा।

जम्मू-कश्मीर चुनाव के लिए बीजेपी का घोषणा पत्र जारी

परिवार की वरिष्ठ महिला को 18000 और भूमिहीनों को जमीन का वादा

2 मुफ्त एलपीजी सिलेंडर भी,जेके के लिए बीजेपी ने खोला चुनावी पिटारा

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी ने शुक्रवार शाम अपना घोषणापत्र जारी कर दिया है। इस मौके पर गृहमंत्री अमित शाह ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि अनुच्छेद 370 की कभी वापसी नहीं हो सकती है।

बीजेपी के इस घोषणापत्र में पार्टी ने महिलाओं से लेकर युवाओं छात्रों पर ज्यादा फोकस किया है। इसके साथ ही केंद्रीय अमित शाह ने पार्टी के घोषणापत्र का जिक्र करते हुए यह भी ऐलान किया कि राज्य के धार्मिक स्थलों का जीर्णोद्धार किया जाएगा। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि कॉलेज में पढ़ने वाले छात्रों का हर साल 3 हजार रुपए यातायात भत्ता दिया जाएगा। इसके अलावा 10वीं क्लास में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स को टेबलेट और लैपटॉप मिलेगा। महिलाओं पर खास फोकस करते हुए गृहमंत्री ने ऐलान किया कि उज्जवला योजना के लाभार्थियों को हर साल 2 फ्री एलपीजी सिलेंडर दिए जाएंगे। अटल आवास योजना के जरिए भूमिहीन लोगों को 5 मरला जमीन मुफ्त दी

जाएगा। जम्मू कश्मीर को लेकर जारी घोषणापत्र में कश्मीरी पंडितों के लिए पुनर्वास योजना शामिल किए जाने पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि योजना बहुत विस्तृत होगी। हम पूर्ण पुनर्वास पर ध्यान देंगे। आतंकवाद के चरम पर रहने के दौरान कई कश्मीरी पंडित और सिख समुदाय के लोग चले गए थे, जिन्हें अपनी संपत्ति बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा। हमने इस संबंध में काम करना शुरू कर दिया है, या तो उनकी संपत्ति वापस की जाएगी या उनकी संपत्ति के लिए राशि प्रदान की जाएगी। हम 6000 लोगों के पुनर्वास के पूरा होने की ओर हैं। जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने को लेकर अमित शाह ने कहा कि 370 हटने से राज्य का विकास हुआ है और लगातार हो रहा है। आज धारा 370 और 35(ए) बीते दौर की बात हो गए हैं। अब ये हमारे संविधान का हिस्सा ही नहीं है।

विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया ने थामा कांग्रेस का हाथ

- कहा-बुरे वक्त में बीजेपी छोड़ सभी दूसरी पार्टियों ने दिया साथ, दोनों लड़ सकते हैं चुनाव

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के 30 दिन पहले रेसलर विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया शुक्रवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। विनेश का जुलाना सीट से चुनाव लड़ना तय माना जा रहा है। वहीं, बजरंग के भी चुनाव लड़ने की अटकलें हैं। इससे पहले दोनों रेसलर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से उनके आवास पर मिले। इसके बाद कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे। राज्य में एक फेज में 5 अक्टूबर को मतदान होगा। रिजल्ट 8 अक्टूबर को आएंगे। कांग्रेस में शामिल होने से पहले विनेश और बजरंग ने रेलवे की नौकरी छोड़ दी। दोनों ओएसडी स्पोर्ट्स के पद पर थे। सबसे पहले तो मैं देशवासियों और

मीडिया का धन्यवाद करना चाहती हूं। कांग्रेस पार्टी का बहुत धन्यवाद करती हूं कि बुरे टाइम पर पता लगता है कि साथ में कौन है। एक समय जब देश की हर पार्टी हमारे साथ थी, लेकिन बीजेपी साथ नहीं थी। महिलाओं के साथ हो रहे अन्याय और बुरे बर्ताव के खिलाफ खड़ी है। जो दर्द हमने सहा है कि हम उन सभी महिलाओं के साथ हैं। बीजेपी ने हमें ये साबित करने की कोशिश की कि हम जले हुए कारतूस हैं, मैं नेशनल खेली। लोगों ने कहा कि मैं बिना ट्रायल दिए ओलिंपिक जाना चाहती हूं, लेकिन मैंने ट्रायल दिया। जो मैंने फेस किया, मैं चाहती हूं कि बाकी खिलाड़ियों को न झेलना पड़े। बजरंग पर चार साल का बैन लगा दिया।

तीनों सेनाओं में 'तालमेल' के लिए ऐक्टिव हुई मोदी सरकार

- थिएटर कमांड की तैयारी हो गई पूरी, बस सरकार की मंजूरी का है इंतजार
- देश की सुरक्षा के साथ वैश्विक मंच पर भारत की धमक के लिए भी जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीनों सेनाओं में तालमेल को और भी ज्यादा बेहतर बनाने के लिए मोदी सरकार 'इंटिग्रेटेड थिएटर कमांड' बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ी है। थिएटर कमांड यानी एकीकृत कमांड एक ऐसा सिस्टम होगा जिसके तहत आर्मी, नेवी और इंडियन एयरफोर्स बेहतर तालमेल के साथ एक दूसरे की क्षमताओं का कुशलता से इस्तेमाल कर सकेगी। सैन्य नेतृत्व चीन, पाकिस्तान और हिंद महासागर पर फोकस करते हुए नए थिएटर कमांड्स को अंतिम रूप दे रहा है। मसौदा पूरी तरह तैयार है, बस सरकार की मंजूरी का इंतजार है।

इकलौता थिएटर कमांड नहीं, बल्कि ऐसे 2 से 5 कमांड बनाने की तैयारी है। हर थिएटर कमांड की अगुआई आर्मी, एयर फोर्स या नेवी के थ्री स्टार अफसर करेंगे और सभी थिएटर कमांड की अगुआई चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ करेंगे। बांग्लादेश के उथल-पुथल ने भी भारतीय सेना की चिताएं बढ़ा दी हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया में तनाव जैसी तमाम घटनाएं बता रही हैं कि सैन्य क्षमता में सुधार और मजबूती क्यों जरूरी है।

कॉलेजियम के फैसले में पहली बार 'सुप्रीम' दखल

- दो जजों की पदोन्नति से जुड़ा है अहम फैसला, किया रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को हिमाचल प्रदेश कॉलेजियम के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें हाई कोर्ट में पदोन्नति के लिए दो वरिष्ठ जिला जजों की उम्मीदवारी को नजरअंदाज किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने दो सीनियर जिला जजों की याचिका को स्वीकार करते हुए इस साल की शुरुआत में हुई कॉलेजियम की चयन प्रक्रिया को रद्द कर दिया। जस्टिस ऋषिकेश रॉय और प्रशांत कुमार मिश्रा की बेंच ने कहा कि परामर्श के अभाव में कॉलेजियम का निर्णय इसलिए प्रभावित हुआ क्योंकि हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस ने निजी तौर पर दो जिला जजों के नामों पर पुनर्विचार नहीं करने का निर्णय लिया था। गौरतलब है कि यह फैसला कॉलेजियम के फैसले में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप का पहला उदाहरण है। ऐसे मामलों को आमतौर पर अदालत द्वारा प्रशासनिक रूप से निपटाया जाता है। वहीं, कॉलेजियम के फैसलों के खिलाफ याचिकाओं पर विचार करते समय व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाया जाता है। जजों ने फैसला सुनाते हुए कहा कि हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को कॉलेजियम में अन्य जजों से सलाह लेनी चाहिए थी।

यहां सुरक्षा की गारंटी नहीं, फिर भी हमारे कार्यकर्ता डटे:भागवत

मणिपुर पर आरएसएस चीफ बोले-संघ कुकी-मैतेई दोनों पक्षों से बातचीत कर रहा

पुणे (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को कहा, मणिपुर में परिस्थितियां कठिन बनी हुई हैं। स्थानीय लोग अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। वहां कारोबार या सामाजिक सेवा के लिए गए लोगों के लिए माहौल अधिक चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने कहा- इस सबके बावजूद संघ के कार्यकर्ता दोनों गुटों (कुकी और मैतेई) की मदद और माहौल सामान्य करने की कोशिश कर रहे हैं। कार्यकर्ता न तो वहां से भागे, न ही हाथ पर हाथ रखकर बैठे रहे। वे जनजीवन सामान्य करने, गुस्सा कम करने और राष्ट्रीय एकता की भावना बढ़ाने का काम कर रहे हैं। मोहन भागवत पुणे में शंकर दिनकर काने की 100वीं जयंती पर एक कार्यक्रम में पहुंचे थे। यहां

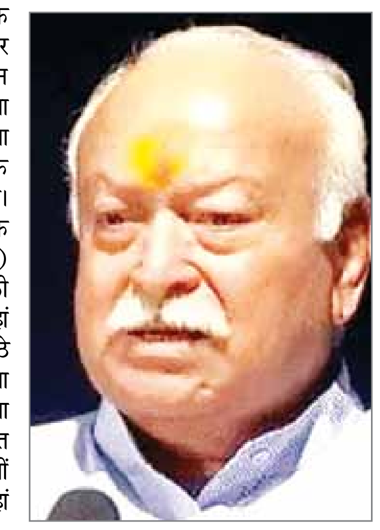

उन्होंने करीब 5 घंटे का भाषण दिया। भागवत ने कहा-शंकर दिनकर 1971 तक मणिपुर में बच्चों को शिक्षित करने के अभियान में जुटे थे। संगठन के कार्यकर्ता तमाम चुनौतियों और सुरक्षा की गारंटी न होने के बावजूद संघर्षग्रस्त उत्तर-पूर्वी राज्य मणिपुर में डटे हैं। भागवत ने कहा- मणिपुर में कमांडो सब कुछ नहीं संभाल सकते। संघ स्थिति सुधारने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है। संघ सभी पक्षों से बातचीत कर रहा है। स्वयंसेवकों ने लोगों का विश्वास हासिल कर लिया है। स्थानीय लोगों ने सालों से संघ के काम को देखा है, इसलिए विश्वास किया है।

संक्षिप्त समाचार

पीके का कोई राजनीतिक भविष्य नहीं : राजीव

पटना /दिल्ली, एजेंसी। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि बिहार में जन सुराज अभियान के संस्थापक प्रशांत किशोर का कोई भविष्य नहीं है. उनकी हरकतें बचकानी है. केसी त्यागी के स्थान पर बिहार की सत्तारूढ़ पार्टी का राष्ट्रीय प्रवक्ता नियुक्त किए जाने के बाद पहली बार दिल्ली पहुंचे राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि एनडीए में मतभेदों को लेकर भले ही तमाम तरह की अटकलें लगायी जाये, लेकिन विकसित भारत और विकसित बिहार के संकल्प के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह अत्यंत विश्वसनीय और सुदृढ़ गठबंधन है. श्री प्रसाद ने कहा कि हमारा गठबंधन देश और बिहार के हित में है. विकसित बिहार की उम्मीद नीतीश कुमार की अगुवाई में ही संभव है. इस बार के बजट में जो प्रावधान हैं, उनसे इस उम्मीद को ताकत मिली है. उन्होंने कहा कि विभिन्न मुद्दों पर राजग के घटक दलों में छोटी-मोटी असहमतियां स्वाभाविक हैं, लेकिन यह टकराव का कारण नहीं बनेंगी और मिल-बैठकर इनका भी समाधान निकाल लिया जायेगा. श्री प्रसाद ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राजग गठबंधन अत्यंत विश्वसनीय और सुदृढ़ है. प्रशांत किशोर के बिहार के संदर्भ में किये जा रहे दावों और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ की जा रही उनकी टिप्पणियों पर श्री प्रसाद ने उनपर तंज कसते हुए कहा कि कोशिश हर व्यक्ति को करनी चाहिए. वह भी कर रहे हैं. लेकिन, अभी तक वह चुनावी रणनीतिकार की भूमिका में रहे हैं. श्री प्रसाद ने कहा कि झारखंड का आगामी विधानसभा चुनाव भाजपा और जदयू मिलकर लड़ेंगे और इस बारे में सैद्धांतिक तौर पर सहमति बन गयी है.

1.5 लाख और शिक्षकों की होगी नियुक्ति : मंत्री

पटना , एजेंसी। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने कहा है कि राज्य सरकार डेढ़ लाख और शिक्षकों की नियुक्ति करेगी. टीआरइ थ्री का रिजल्ट जल्दी जारी करने के लिए शिक्षा विभाग ने बीपीएससी से आग्रह किया है. शिक्षा मंत्री ने यह बातें एसकेएम हॉल के बाहर संवाददाताओं से चर्चा के दौरान गुरुवार को कही . शिक्षा मंत्री ने अतिथि शिक्षकों के बारे में पूछे गये सवाल के उत्तर में कहा कि उन्हें परीक्षा देकर ही सिलेक्ट होना होगा. उन्हें अनुभव का वेटेज दिया जाता है. स्कूल की टाइमिंग के बारे में उन्होंने दो टूक कहा कि इसमें राइट टू एजुकेशन के नियम का ध्यान रखा जा रहा है. डोमिसाइल पॉलिसी के संदर्भ में कहा कि नियुक्त शिक्षकों में अधिकतर बिहार के हैं. उन्होंने संकेत दिये कि सरकार अभी अपनी पॉलिसी पर कायम है. विधान परिषद में स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के विधान पार्षदों के साथ हाल ही में हुई बैठक के संदर्भ में उन्होंने कहा कि वित्तरहित सहित कई मुद्दों पर बातचीत की गयी है. उन्होंने अपनी कई समस्याएं रखीं हैं . हम उनका समाधान करेंगे. वित्तरहित कॉलेजों के लिए दो साल की राशि रिलीज कर रहे हैं. एक सवाल के जवाब में कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बिहार की उपलब्धियां शानदार रही हैं. वर्ष 2001 में राज्य की महिला साक्षरता 34 प्रतिशत थी. यह दर 75 प्रतिशत हो गयी है. उस दरम्यान ड्राप आउट 12 प्रतिशत था. अब एक प्रतिशत से कम है. राज्य में शिक्षकों की संख्या वर्ष 2001-02 में डेढ़ लाख थी. अब 5.77 लाख हो चुकी है.

अधिकारी जनता की तकलीफों को दूर करें : दिलीप जायसवाल

पटना , एजेंसी। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ दिलीप कुमार जायसवाल ने विभागीय अधिकारियों का आह्वान किया है कि वो आम जनता की तकलीफों का विशेष ध्यान रखें और उनकी समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता के आधार पर करें. अपने काम के लिए अंचल आये लोगों के साथ मर्यादित तरीके से व्यवहार करें. गुरुवार को राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री ने मासिक प्रगति प्रतिवेदन के आधार पर दो अंचल अधिकारियों को प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया. मासिक रैंकिंग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले फुल्लीडुमर अंचल के अंचल अधिकारी मनोज कुमार एवं चतुर्थ स्थान प्राप्त करनेवाली अमरपुर की अंचल अधिकारी कुमारी रजनी को सम्मानित किया गया. बैठक में मौजूद बिहार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने कहा कि भूमि विवादों के समाधान के लिए थाना स्तर पर थानाप्रभारियों एवं अंचल अधिकारियों की हो रही संयुक्त बैठकों को और प्रभावी बनाया जायेगा. कई अंचल अधिकारियों ने मुख्य सचिव को बताया कि इन साप्ताहिक बैठकों में संबंधित थाना प्रभारी अनुपस्थित रहते हैं. इसे मुख्य सचिव द्वारा गंभीरता से लिया गया.

डीएम और एसएसपी ने किया निरीक्षण रनवे की लंबाई 4000 फीट बढ़ेगी

12 हजार फीट होते ही अंतरराष्ट्रीय विमानों का ऑपरेशन शुरू होगा

पटना, एजेंसी। बिहटा एयरपोर्ट के रनवे की लंबाई 4000 फीट बढ़ाई जाएगी। इसके लिए 190.50 एकड़ जमीन का अधिग्रहण होना है। अभी रनवे की लंबाई 8000 फीट है, जिसे 4000 फीट बढ़ाकर 12000 फीट करना है। सभी मौसम में एयरबस 120, बोइंग 737 और अंतरराष्ट्रीय विमानों के ऑपरेशन के लिए रनवे की लंबाई 12000 फीट होनी चाहिए। रनवे की लंबाई बढ़ाने के लिए 400 मीटर लंबी और 1500 मीटर चौड़ी भूमि की आवश्यकता है। इस कारण 190.50 एकड़ जमीन का अधिग्रहण करना है, जिसकी प्रक्रिया जिला प्रशासन द्वारा शुरू की गई है। मनेर एनएच का वैकल्पिक मार्ग तलाशने में भी जुटा प्रशासन : गुरुवार को डीएम डॉ. चंद्रशेखर सिंह और एसएसपी राजीव मिश्रा ने स्थल निरीक्षण किया। डीएम ने कहा कि एयरपोर्ट की वर्तमान जमीन के पूरब और पश्चिम निरीक्षण किया गया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और आमलोगों से बातचीत की गई है। शुक्रवार को भी जिला स्तरीय टीम स्थल निरीक्षण करेगी। इस टीम को एक सप्ताह में रिपोर्ट देने का निर्देश दिया गया है। इसी रिपोर्ट के आधार पर जिला प्रशासन द्वारा निर्णय लिया जाएगा कि एयरपोर्ट के किस छोर पर कितनी जमीन का अधिग्रहण करना है। इस मौके पर दानापुर के एसडीओ, एसडीपीओ, बिहटा के सीओ सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

रन-वे 12 हजार फीट होने से ये फायदे

1. एयरबस 120 और बोइंग 737 विमानों का ऑपरेशन होगा।
2. अंतरराष्ट्रीय विमान का भी ऑपरेशन शुरू हो जाएगा।
3. 350 मीटर की विजिबिलिटी में भी फ्लाइट की लैंडिंग और टेकऑफ होगा।
4. अभी रनवे की लंबाई 8000 फीट है। क्षमता 25 लाख है।
5. रनवे 12 हजार फीट होने से क्षमता 80 लाख की हो जाएगी।

पटना एयरपोर्ट का रनवे अभी 6800 फीट, इसलिए बिहटा में नया बनाने की जरूरत

पटना का रनवे और बढ़ नहीं सकता है। ऐसा इसलिए कि आगे की ओर रोड और आबादी है।

एयरबस 120 और बोइंग 737 इंटरनेशनल विमानों के ऑपरेशन नहीं होता है।

180 सीटों के ही विमानों का ऑपरेशन होता है।

विजिबिलिटी कम से कम 1000 मीटर चाहिए लैंडिंग-टेकऑफ के लिए।

अभी क्षमता 30 लाख है।

प्रस्तावित रन-वे की पूरब तरफ एक तो पश्चिम में तीन गांव व एनएच चुनौती

एयरपोर्ट के प्रस्तावित रनवे के पूरब शर्फुद्दीन गांव है। इस गांव के पूर्वी और पश्चिमी छोर पर संभावनाओं को देखा गया है। पूर्वी छोर पर 90 पक्के और 40 कच्चे मकानों के साथ कुछ अन्य संरचनाएं भी हैं। गैस पाइपलाइन भी एलाइनमेंट में आ रही है। इस गांव के पश्चिमी छोर पर घरों की संख्या कम है, जिनकी गणना की जाएगी। एयरपोर्ट के प्रस्तावित रनवे के पश्चिम तीन गांव कोरहर, गोखुलपुर और मठिया हैं, जिनमें 200 से अधिक पक्के मकान बने हैं। बिहटा-मनेर एनएच भी इसी तरफ है। इन गांवों को शिफ्ट करने के बिहटा-मनेर एनएच को शिफ्ट करना होगा।

टर्मिनल बिल्डिंग के निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू

बिहटा एयरपोर्ट के लिए 108 एकड़ जमीन उपलब्ध कराई गई है। 8 एकड़ अतिरिक्त जमीन भी उपलब्ध कराई जा रही है। टर्मिनल बिल्डिंग का निर्माण कार्य समय से शुरू होगा। इसके लिए निविदा की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। डीएम ने कहा कि 191 एकड़ जमीन खोजने की प्रक्रिया के कारण टर्मिनल बिल्डिंग के निर्माण कार्य में कोई बाधा नहीं आएगी। दोनों समानांतर रूप से चलता रहेगा।

बेगूसराय में सड़क पर घूम रहा खूंखार कुत्ता; दो पुलिसकर्मी सहित 45 को बना चुका शिकार

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय में कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। नगर निगम आवारा कुत्तों को पकड़ने में निष्क्रिय बना हुआ है, जिससे बेगूसराय के लोगो में ना सिर्फ नाराजगी है बल्कि डर का भी माहौल बना हुआ है। बेगूसराय में बृहस्पतिवार को लगभग चालीस से पैतालीस लोगों को आवारा कुत्तों ने अपना निशाना बनाया है। सरकारी आंकड़ों के हिसाब से कुत्ते के काटने से बेगूसराय सदर अस्पताल में दो पुलिस कर्मी सहित कुल 25 लोगों का इलाज किया गया है।

मेयर के उदासीन रवैये से हैं लोग परेशान

कुछ मरीजों का कहना है कि कई आवारा कुत्ते इतने खतरनाक होते है कि वह जहां काटते हैं, वहां से शरीर का मांस नोच लेते हैं। इतना ही नहीं, कुत्ते इतना शातिर होते हैं कि वह अनायास ही शरीर के विभिन्न हिस्सों को अपना निशाना बना लेते हैं। फिलहाल बेगूसराय की गलियों में खतरनाक कुत्तों से लोग सहमे हुए हैं और बेगूसराय मेयर को कोस रहे हैं। उनका कहना है कि नगर निगम मेयर को इनसब समस्याओं से कोई मतलब नहीं है।

एक दिन में दो पुलिसकर्मी सहित 25 लोग बने आवारे कुत्तों के शिकार

बृहस्पतिवार को सुबह से कुत्ता काटने के मरीजों की संख्या अचानक बढ़ने लगी। शाम होते-होते यह संख्या अप्रत्याशित हो गई। इस संबंध में अस्पताल के डॉक्टर चंदन कुमार चौधरी ने बताया कि बेगूसराय में बृहस्पतिवार को कुल 25 कुत्ता काटने के मरीज का इलाज किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि बरसात के मौसम में सड़क किनारे सड़ी गली चीज या इनफेक्टेड चीज खाने से कुत्तों की ऐसी हालत होती है, जिस वजह से वह लोगों को काटने लगते हैं। हालांकि इससे बचाव के लिए बेगूसराय अस्पताल में रैबीज की दवा मौजूद है। वही कुत्ता काटने के बाद सदर अस्पताल पहुंचे मरीज परेशान और डरे सहमे नजर आए। अधिकतर मरीजों का कहना था कि वह अपने काम या घरेलू सामान की खरीद बिक्री के लिए घर से बाहर निकले थे तभी अनायास कुत्ते ने उन पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

बाइपास पर हुई लूट मामले में फरार पांचवां अभियुक्त गिरफ्तार

बांका , एजेंसी। औद्योगिक प्रक्षेत्र (जीरोमाइल) थाना क्षेत्र स्थित बाइपास पर एक माह पूर्व 4 अगस्त को बाइकसवार से हुई लूट के मामले में पुलिस ने फरार पांचवें अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया. बुधवार देर रात हुई गिरफ्तारी के बाद गुरुवार को उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया. मामले की जानकारी देने के लिए भागलपुर पुलिस की ओर से इस संबंध में एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की गयी. इसमें बताया गया कि मामले में पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेजे गये चार आरोपितों के बाद पुलिस को कांड में शामिल पांचवें अभियुक्त और लूटे गये मोबाइल की तलाश थी. पुलिस ने मामले में जांच जारी रखी और थाना क्षेत्र के ही गोपालपुर के रहने वाले विश्वजीत कुमार के पास से लूटी गयी मोबाइल की बरामदगी की गयी. गहन पूछताछ में उसने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार भी की है. बांका जिला के पंजवारा निवासी शंभू नाथ दास की बाइक जिला निर्वाचन कार्यालय परिसर से बुधवार दिन में चोरी हो गयी. इस संबंध में उन्होंने जोगसर थाना में केस दर्ज कराया है. मुंदीचक के एनसी चटर्जी रोड निवासी दीनानाथ तिवारी की बाइक जिला व्यवहार न्यायालय के गेट नंबर 3 के बाहर से 30 अगस्त को चोरी हुई थी. वहीं सकरुल्लाचक निवासी अयाज खान की बाइक 3 सितंबर को तिलकामांझी हटिया रोड से चोरी हो गयी थी. दोनों ही मामलों में तिलकामांझी थाना में केस दर्ज कराया गया है.

शादी नीयत से बेटी को अगवा करने का आरोप : मुंदीचक इलाके के रहने वाले एक पिता ने अपनी बालिग पुत्री के अपहरण का केस दर्ज कराया है. दिये गये आवेदन में उन्होंने भीखनपुर निवासी मोहित कुमार दास नामक युवक को नामजद आरोपित बनाया है. उसके विरुद्ध उनकी बेटी को शादी की नीयत से अगवा करने का केस दर्ज कराया है. उन्होंने बताया कि विगत 27 अगस्त से ही उनकी बेटी लापता है. 21 सूत्री मांगों को लेकर होमगार्ड जवानों की हुई बैठक बिहार रक्षा वाहिनी स्वयं सेवक संघ (होमगार्ड) के जिला शाखा की बैठक गुरुवार को सैंडिस कंपाउंड में आयोजित की गयी. इसमें समान काम के समान वेतन सहित होमगार्ड जवानों की 21 सूत्री मांगों को लेकर चलाये जा रहे आंदोलन पर विस्तृत चर्चा की गयी.

बिहार में आंगनबाड़ी सेविकाओं को फिर मिलेगा नया स्मार्टफोन, जल्द टेंडर होगा जारी

पटना , एजेंसी। बिहार राज्य के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों की सेविकाओं को जल्द ही नया मोबाइल मिलेगा. समाज कल्याण विभाग इसको लेकर जल्द ही टेंडर जारी करने वाला है. विभागीय सूत्रों के मुताबिक वित्त विभाग की मंजूरी के बाद जल्द ही नए मोबाइल खरीद और बांटे जाने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी. विभाग के अनूसार सरकार ने सभी सेविकाओं को 2019 में स्मार्ट फोन दिया गया था, ताकि सेविका पोषण ट्रैकर पर केंद्र के कामकाज का पूरा ब्योरा हर दिन अपलोड कर सकें. जानकारी के मुताबिक हाल के दिनों में गया, पूर्णिया, अररिया, भागलपुर, मुजफ्फरपुर सहित लगभग सभी जिलों में सेविका मोबाइल लौटाने के लिए बाल विकास परियोजना पदाधिकारी के पास स्मार्ट फोन जमा करने पहुंच रही हैं. पर इनका मोबाइल जमा नहीं लिया जा रहा है. पूर्णिया जिला में लगभग 3500 से अधिक आंगनबाड़ी केंद्र हैं. जब यहां की सेविका जब बारी- बारी से बाल विकास परियोजना पदाधिकारी के पास मोबाइल जमा करने पहुंची, तो वहां उन्हें यह कहकर मना कर दिया गया कि विभाग की ओर से इस संबंध में कोई निर्देश नहीं आया है. इसको लेकर पूर्णिया बिहार राज्य आंगनबाड़ी कर्मचारी यूनियन ने आइसीडीएस को पत्र भेजा है, जिसमें कहा है कि पांच वर्ष बीत जाने के बाद सभी मोबाइल की स्थिति खराब है. ऐसी स्थिति में सभी जिलों से ऑनलाइन रिपोर्ट भेजना मुश्किल है.

कानून-व्यवस्था को लेकर मुख्य सचिव ने की बैठक:पेंडिंग केस कम करने के निर्देश

गश्ती वाहनों में जीपीएस डिवाइस लगाना अनिवार्य

पटना, एजेंसी। बिहार के नए मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा पदभार संभालते ही एक्शन में आ गए हैं। गुरुवार को उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अधिकारियों के साथ कानून-व्यवस्था पर बैठक की। इस दौरान उन्होंने पेंडिंग मामलों को जल्द से जल्द निपटाने के निर्देश दिए।

बैठक में डीजीपी समेत कई अधिकारी मौजूद

मुख्य सचिव की इस बैठक में राज्य के सभी प्रमंडलीय आयुक्त,आईजी, डीआईजी, डीएम, एसएसपी, एसपी के साथ लॉ एंड ऑर्डर से जुड़े तमाम अधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा डीजीपी, गृह विभाग के प्रधान सचिव, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग के सचिव और अपर पुलिस महानिदेशक भी मौजूद थे।

2 लाख 67 हजार एफआईआर पेंडिंग

मुख्य सचिव ने अनुसंधान के लिए लंबित लगभग 2 लाख 67 हजार मामलों में तेजी लाने का निर्देश दिया है। उन्होंने डीजीपी से कहा है कि अगले 6 माह के अंदर लंबित मामलों की संख्या एक लाख तक की जाए। राज्य में पहले करीब आठ हजार अनुसंधानकर्ता अधिकारी थे। जिसे पिछले डेढ़ वर्ष में सरकार ने बढ़ाकर लगभग 23 हजार कर दिए हैं।

एसएसपी और एसपी को भी निर्देश दिया : मुख्य सचिव ने नन बेलेबल वारंट पर तेजी से काम करने को कहा है। बिहार में विभिन्न थानों में कुल लंबित लगभग 86,000 वारंट हैं। जिसे तेजी से निपटाने का आदेश दिए हैं। स्पीडी ट्रायल की समीक्षा करते हुए इसमें और तेजी लाने की रणनीतियों पर चर्चा की गई। इसके अलावा एसएसपी और एसपी से भूमि विवाद पर रोक लगाने को कहा गया है। निर्देश दिया गया है कि भूमि विवाद को प्रभावी रूप से निपटाने के लिए हर शनिवार थाना स्तर पर शिविर लगाया जाए, क्योंकि अब तक इन शिविरों के माध्यम से लगभग 40 हजार से अधिक मामलों का निष्पादन किया जा चुका है।

गश्ती वाहनों में जीपीएस डिवाइस लगाना अनिवार्य : बैठक में इस बात पर भी जोर दिया गया कि थानों के गश्ती वाहनों और डायल 112 वाहनों में जीपीएस डिवाइस लगाना अनिवार्य किया जाए। ताकि जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष से इन वाहनों की आवाजाही पर नजर रखी जा सके। जहां थाना भवन बनाने के लिए जमीन नहीं है, वहां डीएम को दो माह के भीतर जमीन उपलब्ध कराने को कहा गया है।

तैयार किया जा रहा है विस्तृत प्लान:भागलपुर और सुल्तानगंज स्टेशन में ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर सहित सुल्तानगंज स्टेशन में ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए सोलर पावर प्लांट लगाए जाएंगे। साथ ही बांका, हंसडीहा, सबौर, एकचारी व घोघा सहित 10 स्टेशनों में सोलर पावर प्लांट लगाने के लिए सर्वे किया जाएगा। सोलर पावर प्लांट से स्टेशन में यात्री प्रतीक्षालय, कॉनकोर्स एरिया में भी बिजली पहुंचाई जाएगी। प्लेटफार्म में लगे बिजली के उपकरणों को भी सोलर एनर्जी से चलाया जाएगा। रेलवे भागलपुर स्टेशन में 500 किलोवाट का सोलर पावर प्लांट लगाएगा। इसके लिए विस्तृत प्लान तैयार किया जा रहा है। सुल्तानगंज स्टेशन में भी 100 किलोवाट का छोटा सोलर पावर प्लांट लगाया जाएगा। रेलवे ये काम ग्रीन एनर्जी और सेव एनर्जी को देखते हुए करा रहा है। अभी भागलपुर में 650 किलोवाट बिजली की खपत होती है। जिससे हर माह करीब 16 से 17 लाख बिजली का बिल जमा किया जाता है। ये सोलर पावर प्लांट आन ग्रिड की तर्ज पर लगाया जाएगा। स्टेशन पर यात्रियों की बिजली की जरूरत को पूरा करने के लिए सोलर प्लांट से सप्लाई होगी। इसी के साथ कई विभागों और कार्यालयों में बिजली की सप्लाई इसी से होगी। अभी भागलपुर और सुल्तानगंज स्टेशन में छोटा सा सोलर पैनल लगा है। जहां से सिग्नल विभाग को बिजली सप्लाई की जाती है। नये प्लांट से स्टेशन की बिजली की खपत को कम किया जा सकेगा। भागलपुर स्टेशन में स्टेशन बिल्डिंग, रनिंग रूम, कोचिंग कार्यालय, वाटर प्लांट, डब्ल्यूपीओ का इलेक्ट्रिकल सब स्टेशन, प्रशासनिक भवन, पावर हाउस कार्यालय, डीजल जनरेटर कक्ष, नया प्रशासनिक भवन, रेलवे अस्पताल व हेल्थ यूनिट, कंस्ट्रक्शन रेस्ट हाउस, एएसटीई कार्यालय, सहायक अभियंता कार्यालय, सीनियर सेक्शन इंजीनियर वर्क्स कार्यालय, आरपीएफ बैरक, एस एंड टी कार्यालय, 33केवी सब स्टेशन में सोलर प्लांट से पैदा होने वाली बिजली की सप्लाई की जाएगी। दूसरी ओर सुल्तानगंज स्टेशन में असंबेली ब्लाक, आरपीएफ बैरक व स्टेशन बिल्डिंग में सोलर पावर की स्थापना की जाएगी।इन स्टेशनों पर भी लगेंगे प्लांट पौड़ेयाहाट, हंसडीहा, बांका, बरियारपुर, सबौर, एकचारी, घोघा, टेकानी, बाराहाट व गोड्डा में भी सोलर पावर प्लांट लगाया जाएगा।

दहेज के लिए एसकेएमसीएच के नर्सिंग ट्यूटर को दारोगा पति ने बेरहमी से पीटा

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। एसकेएमसीएच में पोस्टेड नर्सिंग ट्यूटर स्वीटी को उसके दारोगा पति चंदन कुमार व ससुरालवालों ने बेरहमी से पिटाई कर दी है. दहेज में 20 लाख नकदी, कार व सैलरी नहीं देने उनके साथ यह मारपीट की गयी है. मामले को लेकर स्वीटी कुमारी ने महिला थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है. इसमें नालंदा जिले के चंडी थाना के गोनकुरा निवासी दारोगा पति चंदन कुमार समेत सात लोगों को नामजद आरोपी बनाया है. थाने में दर्ज प्राथमिकी में स्वीटी ने बताया है कि उसका मायका अहियापुर थाना के उमा नगर डॉक्टर्स कॉलोनी में है. वह एसकेएमसीएच में नर्सिंग ट्यूटर के पद पर कार्यरत है. उसकी शादी 22 जून 2023 को पटना के एक विवाह भवन से संपन्न हुई थी. शादी में उसके पिता ने अपनी हैसियत के अनुसार करीब 25 लाख रुपये खर्च किये थे. वहीं, शादी से पहले उसके ससुर ने पिता से नौ लाख रुपये लिये जो अभी तक नहीं लौटाये हैं. शादी करके जब वह ससुराल आयी तो सारा आभूषण उसकी सासु अपने पास रख ली. इसके बाद दहेज में 20 लाख रुपये व कार की मांग को लेकर उसको प्रताड़ित किया जाने लगा. ससुराल वाले उससे सैलरी का भी डिमांड करते हैं. रुपये नहीं देने पर उसको जानवरों की तरह मारा - पीटा जा रहा था. 17 जुलाई की रात्रि उसको सभी आरोपियों ने बेरहमी से पीटा. गर्दन में दुपट्टा फंसा कर पीटने से वह बेहोश हो गयी. देर रात जब होश में आयी तो अपने मायकेवालों को सूचना दिया. तब चणडी थाने की पुलिस पहुंची और उसकी जान बचायी.

STONE CLINIC MOTIHARI
स्टोन क्लिनिक मोतिहारी
शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्यमंत्री ने वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से किया नव निर्मित स्वास्थ्य संस्थानों का उद्घाटन

- स्वास्थ्य संस्थानों के उद्घाटन के मौके पर मौजूद रहें जनप्रतिनिधि
- डीएम एवं जिला स्वास्थ्य समिति के अधिकारी वीडियो कान्फ्रेसिंग मे रहें शामिल

बीएनएम। मोतिहारी

मुख्यमंत्री नीतिश कुमार बिहार सरकार एवं स्वास्थ्य मंत्री जे.पी नड्डा, भारत सरकार के द्वारा संयुक्त रूप से जिले के नव निर्मित स्वास्थ्य संस्थानों का वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से शुक्रवार को उद्घाटन हुआ। इस दौरान जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय कक्ष में डीएम सौरभ जोरवाल, सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार सिंह, डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन, डीपीसी भारत भूषण एवं जिला स्वास्थ्य समिति के अन्य अधिकारी वीडियो कान्फ्रेसिंग के दौरान उपस्थित रहें। मौके पर सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया की सीएचसी पिपराकोठी प्रखंड के सीएचसी, पकड़ीदयाल मे चैता एचडब्लूसी, कोटवा जसौली मे एचडब्लूसी,अरेराज मलाही में एपीएचसी,तुरकौलिया बहुरूपया एपीएचसी, बनकटवा,मठिया भोपत एपीएचसी,चकिया मे दीदी की रसोई पकड़ीदयाल में दीदी की रसोई अरेराज अनुमण्डलीय अस्पताल मे दीदी की रसोई का उद्घाटन स्थानीय विधायक/विधान पार्षद द्वारा किया गया है।

हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर हुए जनता को समर्पित- सीएस डॉ. विनोद कुमार सिंह ने कहा कि जिला के तैयार सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों को आमलोगों की सेवा के लिए समर्पित कर दिया गया। जहाँ लोगों को मातृत्व व शिशु स्वास्थ्य की जांच, प्रसव पूर्व जांच, प्रसव कराने तथा इसके लिए आशा तथा एएनएम द्वारा पूर्व से तैयारियों संबंधित सुविधाएं, परिवार नियोजन सुविधाएं, संक्रामक तथा गैर संक्रामक रोग प्रबंधन व अन्य स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। रक्त, बीपी, शूगर व अन्य प्रकार की जांच तथा दवा आदि की व्यवस्था की जाएगी। सामान्य बिमारियों के लिए ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को भटकना नहीं होगा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सीएचसी पिपराकोठी का उद्घाटन मोतिहारी विधायक प्रमोद कुमार ने अनुमण्डलीय अस्पताल चकिया में जीविका दीदी की रसोई का उद्घाटन श्यामबाबू यादव, अनुमण्डलीय अस्पताल अरेराज मे जीविका दीदी की रसोई का उद्घाटन सुनील मणि तिवारी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनकटवा का उद्घाटन नरकटिया विधायक शमीम अहमद ने किया।

जनता दरबार में विभिन्न प्रखंडों से आए 59 आवेदनकर्ताओं की सुनी गयी समस्याएं

प्राप्त आवेदनों पर विभागवार तुरन्त निदान का दिया आश्वासन

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम जनता के दरबार में जिला प्रशासन द्वारा जिलेभर के विभिन्न प्रखंडों से आए 59 आवेदनकर्ताओं की समस्याओं पर सुनवाई की गई।प्राप्त शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए एडीएम पीजीआरओ शैलेंद्र भारती ने कहा कि जो आवेदन प्राप्त हुए हैं, उस पर संबंधित पदाधिकारी के स्तर से करवाई कराते हुए शीघ्र ही समस्या का विधिसम्मत निदान सुनिश्चित किया जाएगा। स्वास्थ्य, शिक्षा, आपूर्ति, पंचायती राज विभाग, भूमि विवाद, अतिक्रमण वाद, राजस्व विभाग से संबंधित अधिकांश आवेदन प्राप्त हुए जिसके शीघ्र निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश के साथ भेज देने का निर्देश अपर समाहर्ता के द्वारा प्रभारी पदाधिकारी जिला जन शिकायत कोषांग को दिया गया। जनता दरबार में जिला पंचायत राज पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

केविवि में स्नातकोत्तर विद्यार्थीयों तथा शोधार्थियों द्वारा शिक्षक वृन्दों के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

शिक्षक दिवस के सुअवसर पर महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के जिला स्कूल स्थित चाणक्य परिसर में जन्तु विज्ञान विभाग के स्नातकोत्तर विद्यार्थीयों तथा शोधार्थियों द्वारा शिक्षक वृन्दों के सम्मान में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वन्दना तथा दीप प्रज्जवलन के साथ की गई। कार्यक्रम में जन्तु विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो० प्रणवीर सिंह ने विद्यार्थी जीवन में समयबद्धता, अनुशासन तथा कर्तव्य परायणता पर व्याख्यान दिया। प्रो० सिंह ने कहा कि शिक्षक पेशे से कोई नहीं है बल्कि कोई भी और हर कोई जो सीखाने और पाठ देने की प्रक्रिया में शामिल है वह शिक्षक है। मैंने खुद को विकसित किया है और एक शिक्षक के रूप में विकसित होना जारी है हालांकि छात्रों को पढ़ाने के लिए मूल रूप से शिक्षक हमेशा एक छात्र होता है और सीखने के लिए भूख और प्यास वाला कोई व्यक्ति होता है। उन्होने छात्र को

कहा की आप प्राणीशास्त्र परिवार के ब्रांड एंबेसडर हैं आपके अच्छे काम और बुरे काम केवल मेरे अच्छे या बुरे को प्रतिबिंबित करेंगे इसलिए अच्छा काम करते रहें और हम सभी को गौरवान्वित करें। सह प्राध्यापक डॉ० प्रीती बाजपेयी सहायक ने कहा अध्यापन के कार्य में उत्कृष्टता तभी संभव है जब विद्यार्थी मौलिक चिंतन, प्रखर प्रश्नों व रचनात्मक सोच से कक्षा में पढ़ने आए। विद्यार्थि की प्रखर मनीषा और जिज्ञासु संस्कार शिक्षक को प्रेरित करते हैं। प्रतिस्पर्धा की प्रक्रिया में और ऊंचाई की उत्कंठा में विद्यार्थी अनुशासन और आपसी सौहार्द सदा बनाए रखे । सफलता के शिखर पर पहुचने की यह कुंजी है। डॉ.श्याम बाबू प्रसाद, सहायक प्रोफेसर ने शिक्षक दिवस के अवसर पर छात्रों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। साथ ही इस बात पर जोर दिया की विद्यार्थियों का जीवन अत्यंत धन्य जीवन है जहां वे विभिन्न शिक्षकों से ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। और सफल जीवन के लिए अर्जित ज्ञान को अपने जीवन में शामिल कर सकते हैं। सहायक प्राध्यापक डॉ० कुन्दन किशोर रजक ने अपने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए यह अपील किया की अपने भविष्य के सपने को तनाव मुक्त वातावरण में पूरा करने की कोशिश करें। डॉ.रजक ने ये भी कहा कि पढ़ाई को एन्जॉय करते हुए लक्ष्य को आसानी से हासिल किया जा सकता है। डॉ० बुद्धि प्रकाश जैन ने शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दि तथा सभी प्रिय छात्रों को आपके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दिए। पोस्ट ग्रेजुएट विद्यार्थीयों द्वारा गायन, कविता पाठ तथा भाषण की प्रस्तुति दी गई। मंच संचालन विवेकानन्द साहू तथा राजनन्दिनी कुमारी ने किया। अन्दिता कुमारी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

सितंबर माह में पूर्ण कराएं प्रथम चरण का कार्य- जिलाधिकारी

बीएनएम। मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा शुक्रवार को अपने कार्यालय कक्ष में मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने के कार्य की समीक्षा की गई। यह कार्य जिला पंचायत राज कार्यालय के द्वारा राज्य स्तर पर चयनित एजेंसियों के माध्यम से कराया जा रहा है। जिला के लिए कुल चार एजेंसी कार्य कर रही है। उक्त बैठक में उप विकास आयुक्त, जिला पंचायत राज पदाधिकारी एवं चारों कार्यकारी एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। इस समीक्षा के दौरान जिला पंचायत राज पदाधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट के प्रथम चरण में लॉर्ड मार्क्स एजेंसी को कुल 2960 सोलर लाइट लगाने का कार्यादेश निर्गत किया गया था, जिसके विरुद्ध कंपनी के द्वारा अभी तक 1680 (56.76%) लाइट लगाया गया है। वहीं दूसरी एजेंसी आईटीआई को 5410 लाइट लगाने का कार्यादेश निर्गत

था, जिसके विरुद्ध इस कंपनी के द्वारा 2788 (51.53%) सोलर लाइट लगाया गया है। तीसरी एजेंसी केएलके के द्वारा अभी तक 81.52 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है एवं चौथी श्री राम सागर एजेंसी के द्वारा अभी तक मात्र 50% कार्य पूर्ण किए गए हैं। जिलाधिकारी के द्वारा सभी चारों एजेंसियों को मैनपॉवर बढाकर सितंबर माह के अंत तक प्रथम चरण का कार्य पूर्ण कर देने एवं जिला पंचायत राज पदाधिकारी को प्रतिदिन एजेंसियों के कार्यों का अनुश्रवण करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि अगले सप्ताह सभी एजेंसियों के साथ पुनः इसकी समीक्षा की जाएगी।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

किसानो का वर्षो का सपना होगा साकार, दिसंबर से चालू होगा रीगा चीनी मिल

शिवहर सांसद लवली आंनद और पुर्व सांसद आंनद मोहन ने आज रीगा चीनी मिल में की बैठक

बीएनएम। शिवहर। मनोज कुमार

शिवहर संसदीय क्षेत्र के रीगा चीनी मील जल्द ही चालू किया जा सकता है। इसको लेकर कंपनी के चेयरमैन ने घोषणा भी कर दी है। जानकारी के अनुसार 1 दिसंबर से मिल को चालू कर दिया जायेगा। मालूम हो कि पिछले चार सालों से चीनी मिल बंद है। इसे चालू कराने के लिए लगातार कोशिश की जा रही थी। इसके लिए नीलामी भी की गई। आज रीगा में शिवहर सांसद लवली आंनद और पूर्व सांसद आंनद मोहन ने चीनी मिल के अधिकारियो के साथ बैठक कर इसकी रूप रेखा तैयार किया। बताया गया की दिसम्बर से चीनी मिल चालु हो जायेगा, जबकि किसानो को साप्ताहिक पेमेंट भुगतान किया जायेगा, सांसद लवली आंनद ने बताया की जनता से जो चुनाव के समय वादा किया गया था, उस दिशा में पहला प्रयास किया गया है। शिवहर और सीतामढ़ी के किसानो के लिए यह वरदान साबित होगा। बता दे की रीगा चीनी मिल की नीलामी के चौथे चरण में कर्नाटक की मेसर्स निरानी शुगर कंपनी ने बोली लगाकर इसको अपने हाथ में लिया है। इसकी सुरक्षित राशि भी जमा कर दी गई है। इसके बाद एक बार फिर से सीतामढ़ी और शिवहर के किसानों के बीच उम्मीद जग गई है। कंपनी के चेयरमैन मरूगेश आर निरानी गुरुवार को सीतामढ़ी पहुंचे। यहां उन्होंने 1 दिसंबर से मिल को चालू करने की घोषणा की है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जल्द से जल्द गन्ना किसानों का भुगतान भी कराएंगे। बता दे कि इस मिल तीन बार नीलामी की प्रक्रिया शुरू की गई थी, लेकिन विभिन्न कारणों से नीलामी पूरी नहीं हो पा रही थी। इस बार इसकी सुरक्षित जमा राशि घटाकर 86.50 करोड़ रुपए कर दी गई थी। इससे पहले कंपनी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एस निरानी की अगुआई में सात सदस्यीय टीम रीगा चीनी मिल और डिस्टलरी के हर मशीन की बारीकी से मुआयना किया था। स्थानीय कर्मचारी और अपने तकनीकी अधिकारियों के साथ चर्चा भी किया था।

संक्षिप्त समाचार

अचानक बैंक के सायरन बजाने से मची अफरा तफरी, मौके पर पुलिस ने पहुंचकर की जांच

बीएनएम। शिवहर। शिवहर के पुलिस महकमें में शुक्रवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जहां बैंक बंद होने के बाद शाम 6 बजे बैंक के भीतर लगा सायरन बजने लगा। बैंक का सायरन बजते ही मौके पर पुलिस टीम पहुंची और मोर्चा संभाल लिया। इस दौरान बड़े खतरे की आशंका से अफरा-तफरी मची रही।दरअसल, शुक्रवार की शाम तकरीबन 6 बजे के आसपास शिवहर के सबसे वीआईपी इलाका जिला गेट के पास स्थित पंजाब नेशनल बैंक में बैंक बंद होने के बाद अचानक बैंक का सायरन बजने लगने लगा। बैंक का सायरन बजते ही हड़कंप मच गया। इसकी सूचना एसडीपीओ अनिल कुमार को मिलते ही गस्ती के टीम और नगर थाना पुलिस पहुंचकर बैंक के बाहर मोर्चा संभाल लिया। बैंक का सायरल लगातार बजता ही जा रहा था। पुलिस ने तुरंत बैंक मैनेजर को कॉल कर बुलाया। जब बैंक का ताला खोलकर पुलिस अंदर पहुंची तो पता चला कि बिजली का शॉर्ट सर्किट के कारण सायरन बजने लगा था। इसके बाद पुलिसकर्मियों और बैंककर्मियों ने राहत की सांस ली। पंजाब नेशनल बैंक के मैनेजर ने बताया कि आज ही बैंक में सायरन के मेंटेनेंस का काम कराया गया था। काम कुछ अधूरा रह गया था। जिसके कारण बैंक बंद होने के बाद अचानक सायरन अपने आप बजने लगा। बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण ही सायरन बजने लगा हालांकि कोई बड़ा हादसा नहीं है।

नदियों की पंचायत : नदियों को अविरल और निर्मल बहने दो

बीएनएम। मुजफ्फरपुर : सिकंदरपुर स्थित बापू पुस्तकालय में 11 सितंबर को 'नदियों की पंचायत' का आयोजन किया जाएगा। इस पंचायत का उद्देश्य बागमती, गंडक, लखनदेई, अधवारा समूह की नदियों और अन्य नदियों की स्थिति पर चर्चा करना है, जो सदियों से जन जीवन को संजीवनी प्रदान करती आ रही हैं।

विकास के नाम पर नदियों को खतरा- विकास के नाम पर बन रहे तटबंध, बराज, फैक्ट्रियां, मिलें और थर्मल पावर स्टेशनों से बह रहे जहरीले कचरे के कारण नदियों की जीवनदायिनी विशेषताएं खतरे में हैं। नदियों पर निर्भर नाविक, मल्लाह, किसान, और अन्य लोग आजीविका और सांस्कृतिक संकट का सामना कर रहे हैं। इसके साथ ही, गंगा और उससे जुड़ी नदियों को विदेशी कंपनियों के हाथ में सौंपने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, जो मल्लाहों को नदियों से खदेड़ने की चाल चल रही है।

पंचायत की महत्वपूर्ण बैठक- यह नदी पंचायत इन मुद्दों पर चर्चा करने और नदी मुक्ति अभियान की शुरुआत करने के लिए बुलाई गई है। संगठनों के प्रतिनिधि इन मुद्दों पर अपने विचार रखेंगे और समाधान की दिशा में कदम उठाएंगे।

स्वागत समिति और मीडिया सलाहकार- इस कार्यक्रम का आयोजन नरेश सहनी, अनिल प्रकाश, रामबाबू आनंद पटेल, और सुनील सरला द्वारा किया जा रहा है। मीडिया सलाहकार के रूप में प्रोफेसर विजय कुमार, राम जयसवाल, राजेंद्र पटेल, डॉक्टर हरेन्द्र कुमार, चंदेश्वर राम, आनंद पटेल, काले खान, संगीता सुभाषिणी, शाहिद कमाल, बैजू रजक, नीरज, राकेश साहू, टी. पी. सिंह, राम लखेंद्र यादव, डॉक्टर उमेश चंद्र, ठाकुर देवेंद्र सिंह, जितेंद्र यादव, नवल सिंह, जगन्नाथ पासवान, मोनाजिर हसन, अनिल गुप्ता, जयचंद्र कुमार, प्रीति कुमारी, संतोष सारंग, और डॉक्टर हेमनारायण विश्वकर्मा शामिल हैं।

हाथ में अवैध हथियार लेकर विडियो वायरल करना युवक को पड़ गया भारी

- मामले में थानाध्यक्ष के तहरीर पर दर्ज हुई प्रथमिकी
- युवक फरार, पकड़ने के लिए पुलिस कर रही है छापेमारी

बीएनएम। सुगौली

हाथ में पिस्तौल लेकर विडियो बनाना और उसे सोशल मीडिया पर डालने का शौक एक युवक को भारी पड़ गया है। सोशल मीडिया पर आते ही विडियो तेजी से वायरल हो गया।जिसे स्थानीय थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने देखा और त्वरित कार्यवाही करते हुए मामले को वरीय अधिकारियों के संज्ञान में देकर सनहा दर्ज कर अवैध हथियार लिया युवक के पहचान की पड़ताल शुरू कर दिया। पुलिस के मुताबिक विडियो में अवैध हथियार लिया युवक स्थानीय थाना क्षेत्र के दक्षिणी सुगांव पंचायत स्थित बड़ा बौधा गांव के वार्ड संख्या 12 निवासी नाजीर आलम का पुत्र आजाद आलम (22 वर्ष) बताया जाता है। मामले के सत्यापन के बाद थानाध्यक्ष ने युवक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर उसके धर पकड़ की कार्यवाही शुरू दिया ।लेकिन पुलिस की भनक लगते ही युवक घर छोड़कर फरार बताया जाता है। मामले की पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने बताया कि जांच पड़ताल करने के बाद मामले में संलिप्त युवक को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

एनपीएस व यूपीएस का किया विरोध

बीएनएम। केसरिया

एनपीएस एवं यूपीएस के विरोध में शुक्रवार को केसरिया अंचल व प्रखण्ड के कर्मियों ने काला बिल्ला लगाकर विरोध जताया। इस दौरान कर्मियों ने एनपीएस व यूपीएस गो बैक के नारे लगाकर अपनी आवाज बुलंद की। कर्मियों ने बताया कि एनपीए व यूपीएस कर्मियों के लिए घातक है। यह कतई स्वीकार नहीं है।इसकी जगह ओपीएस लागू किया जाए। विरोध जताने वालों में अंचल के प्रधान लिपिक वीरेंद्र कुमार सिंह, राजस्व कर्मचारी दीपक कुमार, संतोष कुमार शर्मा, तौकीर आलम, संजय कुमार, लिपिक धर्मेंद्र पासवान, प्रकाश कुमार, मुकेश कुमार ओझा सहित अन्य शामिल थे।

कल्पतरू ने किया प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन

प्रशिक्षण शिविर के सफल युवाओं को मिला रोजगार का आश्वासन

प्रमाण पत्र प्राप्त करते सफल प्रशिक्षणार्थी

बीएनएम। मुजफ्फरपुर

कल्पतरू प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल लिमिटेड के तत्वावधान में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, मुजफ्फरपुर पश्चिमी, ठीकहां (मोतीपुर) में आयोजित दो माह के प्रशिक्षण शिविर के सफल प्रतिभागियों के बीच शुक्रवार को प्रमाण पत्र वितरण समारोह आयोजित किया गया। समारोह के दौरान संस्थान के प्राचार्य मनीष कुमार ने इस तरह के प्रशिक्षण शिविरों को युवाओं के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कल्पतरू प्रोजेक्ट्स को हर संभव सहयोग देने का आश्वासन भी दिया।

सफल प्रशिक्षणार्थियों को मिलेगा रोजगार-- कल्पतरू के बिहार प्रमुख, राजेश कुमार चौधरी ने घोषणा की कि सभी सफल प्रशिक्षणार्थियों को कंपनी की ओर से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इस मौके पर उन्होंने प्राचार्य मनीष कुमार को "जिंदगी मिली है मुस्कुराइए" पुस्तक भी भेंट की।

समारोह में विशिष्ट जनों की उपस्थिति- कार्यक्रम का संचालन रामचंद्र शाही संग्रहालय के सलाहकार समिति के सदस्य शंभु मोहन प्रसाद ने किया। समारोह में मो. एस्तायक, अभिजीत कुमार, अमन कुमार, कुंदन कुमार, विक्रम कुमार ठाकुर, अविनाश कुमार, शांतनु कुमार, प्रभाकर कुमार सिंह, दीपक कुमार, रोहित कुमार, नीरज कुमार सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

CENTER CODE- BR-12870035
SAKSHI COMPUTER INSTITUTE
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान
A UNIT OF BDS COMPUTER PVT. LTD.
A RIGHT PLACE FOR YOUR STUNING PERSONALITY
COME AND LEARN COMPUTER WITH US
Tally Prime
ADCA DCA CCC
COMPUTER BASIC
ADVANCE EXCEL
YADOPUR ROAD, HARSIDHI, EAST CHAMPARAN
9470050309 | RAKESH KUMAR | bdscomputer.in

शांति के लिए संतुलन जरूरी है....

अति हमेशा नुकसान दायक है। यह नियम अच्छी और बुरी दोनों आदतों पर लागू होता है। ऋषि-मुनियों ने अति को वर्जित ही बताया है। बुद्ध ने एक शब्द दिया था मंझम मग्न यानी मध्यम मार्ग। जीवन का यह संतुलन उन्हें एक दिन वह सब दिला गया जिसके लिए उनकी पूरी तपस्या थी। अपनी बोध प्राप्त की अवस्था में उनसे एक प्रश्न पूछा गया था जिसका उन्होंने बड़ा सुंदर उत्तर दिया था। किसी का प्रश्र था उनसे अब आपको क्या मिला? क्या वह प्राप्त हो गया जिसके लिए आपके सारे प्रयास थे? बुद्ध ने कहा- नया कुछ नहीं मिला, जो कुछ मेरे पास पहले से था, पाया ही हुआ था, पूर्व उपलब्ध था, उसका ज्ञान हो गया, पता चल गया उसका। वह दौलत अपने ही भीतर थी हम बाहर ढूंढ रहे थे।जिसके कारण बाहर निकला, वो तो मेरे भीतर निकला। हम दो भूलें कर जाते हैं या तो बिल्कुल बाहर संसार पर टिक जाते हैं या एकदम भीतर उतर जाते हैं। ये अतियां हमारे लिए हमारे अध्यात्म की दुश्मन बन जाती हैं। आचार्य श्रीराम शर्मा संसार में संतुलन से चलने के लिए एक अच्छा उदाहरण बताया करते थे। दुनिया में ऐसे चलो जैसे पानी में हाथी चलता है। हाथी जानता है पानी में जल्दबाजी करूंगा तो कीचड़ या गड्ढे में गिर सकता हूं। लिहाजा आगे और पीछे के पैर रखने में वह गजब का संतुलन बनाता है। बस, ऐसा ही संतुलन हमें बाहर और भीतर की यात्रा में रखना होगा। जैसे ही हम संतुलन में आते हैं हमारी अंतर दृष्टि स्पष्ट हो जाती है और हम स्वयं को पहचान जाते हैं।

विघ्नहर्ता, शुभकर्ता गणेशजी बहुआयामी देवता हैं

ललित गर्ग

गणेश भारतीय संस्कृति के अभिन्न अंग हैं। प्राचीन काल से हिन्दू समाज कोई भी कार्य निर्विघ्न सम्पन्न करने के लिए उसका प्रारम्भ गणपति की पूजा से ही करता आ रहा है। प्रतिकूल, अशुभ, अज्ञान एवं दुःख से परेशान मनुष्य के लिये गणेश ही तारणहार है। वे सात्विक देवता हैं और विघ्नहर्ता हैं। वे न केवल भारतीय संस्कृति एवं जीवनशैली के कण-कण में व्याप्त है बल्कि विदेशों में भी घर-कारों-कार्यालयों एवं उत्पाद केन्द्रों में विद्यमान हैं। हर तरफ गणेश ही गणेश छाए हुए है। भाद्रपद शुक्ल की चतुर्थी को सिद्धि विनायक भगवान गणेश का जन्म हुआ। गणेशोत्सव हिन्दुओं का एक उत्सव है। दरअसल गणेश सुख-समृद्धि, रिद्धि-सिद्धि, वैभव, आनन्द, ज्ञान एवं शुभता के अधिष्ठाता देव हैं। प्रथम देव होने के साथ-साथ उनका व्यक्तित्व बहुआयामी है, लोकनायक का चरित्र हैं। इसलिये वे सार्वभौमिक, सार्वकालिक एवं सार्वदैशिक लोकप्रियता वाले देव है। गणेश के रूप में विष्णु शिव-पावर्ती के पुत्र के रूप में जन्म थे। उनके जन्म पर सभी देव उन्हें आशाीर्वाद देने आए थे। विष्णु ने उन्हें ज्ञान का, ब्रह्मा ने यश और पूजन का, धर्मदेव पे धर्म तथा दया का आशीर्वाद दिया। शिव ने उदारता, बुद्धि, शक्ति एवं आत्म संयम का आशीर्वाद दिया। लक्ष्मी ने कहा कि जहां गणेश रहेंगे, वहां मैं रहूंगी।' सरस्वती ने वाणी, स्मृति एवं वक्तृत्व-शक्ति प्रदान की। सावित्री ने बुद्धि दी। त्रिदेवों ने गणेश को अग्रपूज्य, प्रथम देव एवं रिद्धि-सिद्धि प्रदाता का वर प्रदान किया। गणेशजी की आकृति विचित्र है, किन्तु इस आकृति के आध्यात्मिक संकेतों के रहस्य को यदि समझने का प्रयास किया जाये तो सनातन लाभ प्राप्त हो सकता है। क्योंकि गणेश अर्थात् शिव पुत्र अर्थात शिवत्व प्राप्त करना होगा अन्यथा क्षेम एवं लाभ की कामना सफल नहीं होगी। गजानन गणेश की व्याख्या करें तो ज्ञात होगा कि 'गज' दो व्यंजनों से बना है। 'ग' प्रतीक है गति और गंतव्य का तो 'ज' जन्म अथवा उद्गम का प्रतीक है। अर्थात् गज शब्द उत्पत्ति और अंत का संकेत देता है-जहाँ से आये हो वहीं जाओगे। जो जन्म है वही मृत्यु भी है। ब्रह्म और जगत के यथार्थ को बनाने वाला ही गजानन गणेश है। गणेश भारतीय संस्कृति के अभिन्न अंग हैं, वे सात्विक देवता हैं। वे न केवल भारतीय संस्कृति एवं जीवनशैली के कण-कण में व्याप्त है बल्कि विदेशों में भी घर-कारों-कार्यालयों एवं उत्पाद केन्द्रों में विद्यमान हैं। हर तरफ गणेश ही गणेश छाए हुए है। मनुष्य के दैनिक कार्यों में सफलता, सुख-समृद्धि की कामना, बुद्धि एवं ज्ञान के विकास एवं किसी भी मंगल कार्य को निर्विघ्न सम्पन्न करने हेतु गणेशजी को ही सर्वप्रथम पूजा जाता है, याद किया जाता है। महाराष्ट्र का गणेशोत्सव विशेष रूप से प्रसिद्ध है। हजारों स्थानों पर भारतीय कला और संस्कृति की भिन्न-भिन्न गणेश-छवियों के दर्शन होते हैं। रात्रि में सर्वत्र रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं। अंतिम दिन बड़ी धूमधाम से गणेश-प्रतिमाओं का विसर्जन नदी तटों, सरोवरों अथवा समुद्र में किया जाता है। दिन-प्रतिदिन गणेश चतुर्थी को अधिक से अधिक भव्यता से मनाने का प्रचलन बढ़ता ही जा रहा है। भारतीय संस्कृति एक ईश्वर की विशाल कल्पना के साथ अनेकानेक देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना से फलती-फूलती रही है। सब देवताओं की पूजा से प्रथम गणपति की पूजा का विधान है। दरअसल गणेश सुख-समृद्धि, वैभव एवं आनंद के अधिष्ठाता हैं। बड़े एवं साधारण सभी प्रकार के लौकिक कार्यों का आरंभ उनके दिव्य स्वरूप का स्मरण करके किया जाता है। व्यापारी अपने बही-खातों पर 'श्री गणेशाय नमः' लिख कर नये वर्ष का आरंभ करते हैं। प्रत्येक कार्य का शुभारंभ गणपति पूजन एवं गणेश वंदना से किया जाता है।

विवाह का मांगलिक अवसर हो या नए घर का शिलान्यास, मंदिर में मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा का उत्सव हो या जीवन में षोड्स संस्कार का प्रसंग, गणपति का स्मरण सर्वप्रथम किया जाता है। स्कंद पुराण के अनुसार जो भक्ति-पूर्वक गणेश की पूजा-अर्चना करता है, उसके सम्मुख विघ्न कभी नहीं आते। गणपति गणेश अथवा विनायक सभी शब्दों का अर्थ है देवताओं का स्वामी अथवा अग्रणी। गणेशजी की सम्पूर्ण शारीरिक रचना के पीछे भगवान शिव की व्यापक सोच रही है। एक कुशल, न्यायप्रिय एवं सशक्त शासक एवं देव के समस्त गुण उनमें समाहित किये गये हैं। गणेशजी का गज मस्तक हैं अर्थात वह बुद्धि के देवता हैं। वे विवेकशील हैं। उनकी स्मरण शक्ति अत्यन्त कुशाग्र हैं। हाथी की भ्रांति उनकी प्रवृत्ति प्रेरणा का उद्गम स्थान धीर, गंभीर, शांत और स्थिर चेतना में है। हाथी की आंखें अपेक्षाकृत बहुत छोटी होती हैं और उन आँखों के भावों को समझ पाना बहुत कठिन होता है। दरअसल गणेश तत्ववेत्ता के आदर्श रूप हैं। गण के नेता में गुरुता और गंभीरता होनी चाहिए। उनके स्थूल शरीर में वह गुरुता निहित है। उनका विशाल शरीर सदैव सतर्क रहने तथा सभी परिस्थितियों एवं कठिनाइयों का सामना करने के लिए तत्पर रहने की भी प्रेरणा देता है। उनका लंबोदर दूसरों की बातों की गोपनीयता, बुराइयों, कमजोरियों को स्वयं में समाविष्ट कर लेने की शिक्षा देता है तथा सभी प्रकार की निंदा, आलोचना को अपने उदर में रख कर अपने कर्तव्य पथ पर अडिग रहने की प्रेरणा देता है। छोटा मुख कम, तर्कपूर्ण तथा मृदुभाषी होने का द्योतक है। गणेश का व्यक्तित्व रहस्यमय हैं, जिसे पढ़ पाना एवं समझ पाना हर किसी के लिये संभव नहीं है। शासक भी वही सफल होता है जिसके मनोभावों को पढ़ा और समझा न जा सके। इस प्रकार अच्छा शासक वही होता है जो दूसरों के मन को तो अच्छी तरह से पढ़ ले परन्तु उसके मन को कोई न समझ सके। दरअसल वे शौर्य, साहस तथा नेतृत्व के भी प्रतीक हैं। उनके हेरांब रूप में युद्धप्रियता का, विनायक रूप में यक्षों जैसी विकरालता का और विघ्नेश्वर रूप में लोकरंजक एवं परोपकारी स्वरूप का दर्शन होता है। गण का अर्थ है समूह। गणेश समूह के स्वामी हैं इसीलिए उन्हें गणाध्यक्ष, लोकनायक, गणपति आदि नामों से पुकारा जाता है। गज मुख पर कान भी इस बात के प्रतीक हैं कि शासक जनता की बात को सुनने के लिए कान सदैव खुले रखें। यदि शासक जनता की ओर से अपने कान बंद कर लेगा तो वह कभी सफल नहीं हो सकेगा। शासक को हाथी की ही भांति शक्तिशाली एवं स्वाभिमानी होना चाहिए। अपने एवं परिवार के पोषण के लिए शासक को न तो किसी पर निर्भर रहना चाहिए और न ही उसकी आय के स्रोत ज्ञात होने चाहिए। हाथी बिना झुके ही अपनी सूँड की सहायता से सब कुछ उठा कर अपना पोषण कर सकता है। शासक को किसी भी परिस्थिति में दूसरों के सामने झुकना नहीं चाहिए। गणेशजी के पैर छोटे हैं जो कर्मेन्द्रिय के सूचक और सत्व गुणों के प्रतीक हैं। मूषक गणपति का वाहन है जो चंचलता एवं दूसरों की छिद्रान्वेषण की प्रवृत्ति को नियंत्रित करने का प्रेरक है। गणेशजी की चार भुजाएँ चार प्रकार के भक्तों, चार प्रकार की सृष्टि और चार पुरुषार्थों का ज्ञान कराती है। गणेशजी को प्रथम लिपिकार माना जाता है उन्होंने ही देवताओं की प्रार्थना पर वेद व्यासजी द्वारा रचित महाभारत को लिपिबद्ध किया था। अनंतकाल से अनेक नामों से गणेश दुख, भय, चिन्ता इत्यादि विघ्न के हरणकर्ता के रूप में पूजित होकर मानवों का संताप हरते रहे हैं। वर्तमान काल में स्वतंत्रता की रक्षा, राष्ट्रीय चेतना, भावनात्मक एकता और अखंडता की रक्षा के लिए गणेशजी की पूजा और गणेश चतुर्थी के पर्व का उत्साहपूर्वक मनाने का अपना विशेष महत्व है। ऋद्धि-सिद्धि गणेशजी की पत्नियाँ हैं। वे प्रजापति विश्वकर्ता की पुत्रियां हैं। गणेश की पूजा यदि विधिवत की जाए, तो इनकी पतिव्रता पत्नियां ऋद्धि-सिद्धि भी प्रसन्न होकर घर-परिवार में सुख-शांति-समृद्धि और संतान को निर्मल विद्या-बुद्धि देती है। सिद्धि से 'क्षेम' और ऋद्धि से 'लाभ' नाम के शोभा सम्पन्न दो पुत्र हुए। जहां भगवान गणेश विघ्नहर्ता हैं तो उनकी पत्नियां ऋद्धि-सिद्धि यशस्वी, वैभवशाली व प्रतिष्ठित बनाने वाली होती है। वहीं शुभ-लाभ हर सुख-सौभाग्य देने के साथ उसे स्थायी और सुरक्षित रखते हैं। जन-जन के कल्याण, धर्म के सिद्धान्तों को व्यावहारिक रूप प्रदान करने एवं सुख-समृद्धि-निर्विघ्न शासन व्यवस्था स्थापित करने के कारण ही गणेशजी की मानव-जाति सदा ऋणी रहेगी। आज के शासनकर्ताओं को गणेश के पदचिन्हों पर चलने की जरूरत है।

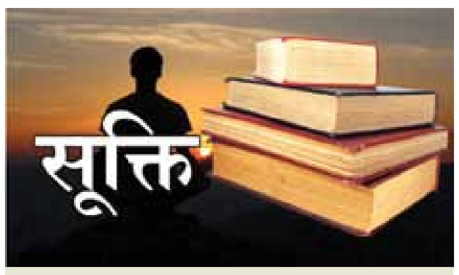

मित्र को प्रकृति की उत्कृष्ट कृति माना जा सकता है
-अमरसन

बिना विश्वास के कोई काम हो ही नहीं सकता
- नारायणदास

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, भाद्र पद शुक्ल पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि चौथ, शनिवासरे, चित्रा नक्षत्रे, 11/47 क्रज योगे, विव करणे, तुला की चंद्रमा, भद्रा दो 1/43 तक अगस्ता देय रवि 11/47 उग्रकर्म मुहूर्त तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर तथा स्वाभिमानी, कुशल वक्ता, अधिवक्ता, शिक्षक, साहसी, उत्तम प्रकृति वाला, योगी भोगी, शिक्षक, शिक्षा विद, शिक्षा शास्त्री, लेक्चरार, प्रोफेसर तथा उत्तम वृत्ति वाला, विद्वान संत, महात्मा, तपस्वी तथा मठ मंदिर निर्माण कर्ता होगा।

मेष राशि - इष्ट मित्र सुख वर्धक होंगे, साधन सम्पन्नता के योग बनेंगे, कार्य सम्पन्नता अवश्य होगी।

वृष राशि - कुटुम्ब की चिन्ता व समस्या अनायस बढ़ेगी, किसी के कष्ट से व्यग्रता अवश्य ही बनेगी।

मिथुन राशि - कार्य व्यवसाय में बाधा, मानसिक, उद्विघ्नता तथा कार्य में व्यर्थ भ्रम बन जायेगा।

कर्क राशि - धन लाभ, बिगड़े हुये कार्य बनेंगे, कार्य कुशलता से संतोष होगा, प्रयास सफल होंगे।

सिंह राशि - असमंजस का वातावरण बना ही रहेगा, अनायास कार्य विफल होंगे तथा सुख होगा।

कन्या राशि - विपरित परिस्थितियों के वातावरण की संरचना होगी तथा व्यवसाय में बाधा बनेगी।

तुला राशि - सुख समृद्धि के योग बनेंगे, कार्य कुशलता से संतोष होगा, ध्यान से कार्य संपन्न कर ले।

वृश्चिक राशि - स्त्री शरीर कष्ट, मानसिक बेचैनी, उद्विघ्नता बने तथा कार्य अवरोध अवश्य होगा।

धनु राशि - अशुद्ध गोचर रहने से विशेष कार्य स्थिगित रखे अन्यथा हानि होने की प्रबल संभावना है।

मकर राशि - भाग्य का सितारा साथ देगा। बिगड़े कार्य बनेंगे तथा विश्ऽाष कार्य सम्पन्न अवश्य होंगे।

कुंभ राशि - इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे। दैनिक कार्य में अनुकूलता बनी ही रहेगी। समय का ध्यान दें।

मीन राशि - प्रबलता प्रभुत्व वृद्धि, भौतिक सफलता के साधन जुटाए रुके कार्य बन जाएंगे।

राष्ट्रवादी और लोकलुभावन राजनीति

श्रुति व्यास

करीब एक हफ्ते पहले, जर्मनी के पश्चिमी शहर जूलिंगन में एक स्थानीय उत्सव के दौरान कई लोगों को चाकूबाजी का शिकार बनाए जाने से देश में हंगामा मचा था। इस घटना में तीन लोग मारे गए। कथित अपराधी एक सीरियाई था जो जर्मनी में शरण लेना चाह रहा था। उसे कई महीने पहले जर्मनी से निर्वासित कर दिया जाना चाहिए था। अभियोजक इस घटना को इस्लामिक उग्रवाद से जोड़ रहे हैं। घटना के बाद से शरणार्थियों को देश से निकाल बाहर करने एवं शरण देने संबंधी कानूनों को कड़ा बनाने की मांग बड़े पैमाने पर उठने लगी। माहौल में आक्रोश था और परिवर्तन की चाहत भी। उस उत्तेजनापूर्ण माहौल का लाभ उठाते हुए अति दक्षिणपंथी आल्टरनेटिव फॉर जर्मनी (एएफडी) पार्टी ने एक नया नैरेटिव चलवाया। एएफडी के एक नेता बियोर्न होके ने हमले का एक वीडियो एक्स पर पोस्ट किया और सवाल पूछा, "जर्मनों, थिरुंजीयानों (जर्मनी के एक प्रांत थिरुन्जिया के निवासी) क्या आप ऐसे हालातों में जीने के आदी बनना चाहते हैं? या आप लादे गए बहुसंस्कृतिवाद के गलत रास्ते को छोडऩा चाहते हैं?" पार्टी के अन्य नेताओं ने भी इसी तरह के विचार व्यक्त किए, और आम लोग इस नैरेटिव से जुड़ते चले गए। इसका नतीजा यह हुआ की रविवार को एएफडी ने थिरुन्जिया और सेक्सिनी के महत्वपूर्ण राज्य-स्तरीय चुनावों में ऐतिहासिक सफलता हासिल की, जो द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद हुए चुनावों में सबसे बड़ी थी। थिरुन्जिया, जहां पार्टी का नेतृत्व होके के हाथों में है, में पहली बार राज्य स्तरीय चुनावों में एएफडी सबसे शक्तिशाली पार्टी के रूप में उभरी है। दोनों राज्यों में उसे 30 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल हुए। पूर्वी जर्मनी में अति दक्षिणपंथ के प्रबल होने से प्रेक्षक चिंतित हैं क्योंकि इससे जर्मनी और यूरोप में प्रवासी विरोधी, राष्ट्रवादी और लोकलुभावन राजनीति एक बार फिर जोर पकड़ सकती है। आल्टरनेटिव फॉर जर्मनी, जो जर्मन भाषा में एएफडी नाम से जानी जाती है, एक राष्ट्रवादी पार्टी है जो 11 सालों से राजनीति में है। पार्टी का विदेशियों के प्रति द्वेष भाव सर्वज्ञात है। उसे छह साल पहले तब प्रसिद्धि हासिल हुई जब तत्कालीन चांसलर एंजेला मर्केल ने मध्यपूर्व के युद्धग्रस्त देशों के दस लाख से अधिक निवासियों को जर्मनी में आने दिया और वहां बसने की अनुमति दी। अपनी नीतियों के चलते एएफडी को सरकारी निगरानी में रखा गया है क्योंकि यह जर्मनी के संविधान के लिए खतरा है। इसके बावजूद पार्टी ने इन चुनावों में सर्वाधिक सीटें हासिल कीं। जूलिंगन में हुई चाकूबाजी की घटना के बाद जनता में होके के अति-दक्षिणपंथी आप्रवासी-विरोधी विचारों की स्वीकार्यता बढ़ गई है – इस हद तक कि प्रमुख राजनैतिक दल भी एफएडी के नैरेटिव को खारिज करने के बजाए उसका समर्थन कर रहे हैं। चांसलर स्कोल्ज ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इस बात पर जोर दिया है कि अवैध प्रवासियों पर लगाम कसी जानी चाहिए। शरण लेने के इच्छुक ऐसे लोगों, जिनके अनुरोध अस्वीकार कर दिए गए हैं, के तत्काल निर्वासन पर जोर दिया जा रहा है। डेश पीगर (जिसका अर्थ होता है आईना) को दिए गए एक साक्षात्कार में स्कोल्ज ने कहा "हमें यह तय करने का अधिकार है कि हम किसे आने दें और किसे नहीं"। एक अन्य साक्षात्कार के दौरान जब स्कोल्ज से अरब पृष्ठभूमि के लोगों के "इजराइल के प्रति नफरत" और यहूदी-विरोधी रवैये के बारे में पूछा गया तो उनका जवाब था "हमें बहुत बड़े पैमाने पर निर्वासन की कार्यवाही करनी चाहिए।" एएफडी के अलावा सस्ती लोकप्रियता हासिल करने में जुटी एक और पार्टी भी मैदान में है जिसने अपने गठन के केवल आठ महीने बाद चुनावों में अच्छी-खासी कामयाबी हासिल की। सारा वागनकनेख एलाइंस (बीएसडब्लू) एक 'वाम-रूढ़िवादी पार्टी है जिसे जनवरी में वागनकनेख नाम की पूर्वी जर्मनी की एक पूर्व कम्युनिस्ट द्वारा स्थापित किया गया था, जिसने अन्य वाम दलों से नात तोड़ लिया था। यह एक अति-वामपंथी दल है और इसने चुनावों में दोनों राज्यों में तीसरा स्थान हासिल किया। एएफडी की तरह बीएसडब्लू भी जर्मनी में कड़ी आप्रवासन नीति की पक्षधर है और यूक्रेन का साथ देने का विरोध करती है ।

राष्ट्रीय एकता का पर्व है गणेशोत्सव

रमेश सर्राफ धमोरा

गणेश शब्द का अर्थ होता है जो समस्त जीव के ईश अर्थात् स्वामी हो। गणेश जी को विनायक भी कहते हैं। विनायक शब्द का अर्थ है विशिष्ट नायक। वैदिक मत में सभी कार्य के आरम्भ जिस देवता का पूजन से होता है वही विनायक है। गणेश चतुर्थी के पर्व का आध्यात्मिक एवं धार्मिक महत्त्व है। मान्यता है कि भगवान गणेश विघ्नो के नाश करने और मंगलमय वातावरण बनाने वाले हैं। गणेश चतुर्थी का त्योहार महाराष्ट्र, गोवा, तेलंगाना, केरल और तमिलनाडु सहित पूरे भारत में काफी जोश के साथ मनाया जाता है। किन्तु महाराष्ट्र में विशेष रूप से गणेशोत्सव को 10 दिनों तक बड़े धूम-धाम से मनाया जाता है। इस त्योहार को गणेशोत्सव या विनायक चतुर्थी भी कहा जाता है। पुराणों के अनुसार इसी दिन भगवान गणेश का जन्म हुआ था। गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेशजी की पूजा की जाती है। कई प्रमुख जगहों पर भगवान गणेश की बड़ी-बड़ी प्रतिमायें स्थापित की जाती है। इन प्रतिमाओं का नो दिन तक पूजन किया जाता है। बड़ी संख्या में लोग गणेश प्रतिमाओं का दर्शन करने पहुंचते है। नो दिन बाद गणेश प्रतिमाओं को समुद्र, नदी, तालाब में विसर्जित किया जाता है। गणेश चतुर्थी मनाने के दौरान लोग भगवान गणेश की पूजा करते है। गणेश हिन्दू धर्म में सबसे ज्यादा पूजे जाने वाले देवता है। यह उत्सव खासतौर से महाराष्ट्र में मनाया जाता है। हालाँकि अब ये भारत के लगभग सभी राज्यों में मनाया जाने लगा है। गणेश चतुर्थी पर लोग पूरी भक्ति और श्रद्धा से ज्ञान और समृद्धि के भगवान की पूजा करते है। भगवान गणेश को बुद्धि का देवता माना जाता है। हिंदू धर्म में किसी भी नए काम को प्रारंभ करने से पहले भगवान गणेश की पूजा की जाती है। माना जाता है कि भगवान गणेश की पूजा करने के बाद प्रारंभ होने वाला कार्य हर हाल में पूरा होगा। भगवान शिव व माता पार्वती के पुत्र गणेश को विघ्नहर्ता भी कहा जाता है। गणेश चतुर्थी का त्योहार आने से दो-तीन महीने पहले ही कारीगर भगवान गणेश की मिट्टी की मूर्तियां बनाना शुरू कर देते हैं। गणेशोत्सव के दौरान बाजारों में भगवान गणेश की अलग-अलग मुद्रा में बेहद ही सुंदर मूर्तियां मिल जाती है। गणेश चतुर्थी वाले दिन लोग इन मूर्तियों को अपने घर लाते हैं। कई जगहों पर 10 दिनों तक पंडाल सजे हुए दिखाई देते हैं जहां गणेश जी की मूर्ति स्थापित होती हैं। प्रत्येक पंडाल में एक पुजारी होता है जो इस दौरान चार विधियों के साथ पूजा करते हैं। सबसे पहले मूर्ति स्थापना करने से पहले प्राणप्रतिष्ठा की जाती है। उन्हें कई तरह की मिठाईयां प्रसाद में चढ़ाई जाती हैं। गणेश जी को मोदक काफी पंसद थे। जिन्हें चावल के आटे, गुड़ और नारियल से बनाया जाता है। इस पूजा में गणपति को लड्डूओं का भोग लगाया जाता है। इस त्योहार के साथ कई कहानियां भी जुड़ी हुई हैं जिनमें से उनके माता-पिता माता पार्वती और भगवान शिव के साथ जुड़ी कहानी सबसे ज्यादा प्रचलित है। शिवपुराण में रुद्रसंहिता के चतुर्थ खण्ड में वर्णन है कि माता पार्वती ने स्नान करने से पूर्व अपने मैल से एक बालक को उत्पन्न करके उसे अपना द्वारपाल बना दिया था। भगवान शिव ने जब भवन में प्रवेश करना चाहा तब बालक ने उन्हें रोक दिया। इस पर भगवान शंकर ने क्रोधित होकर अपने त्रिशूल से उस बालक का सिर काट दिया। इससे पार्वती नाराज हो उठीं। भयभीत देवताओं ने देवर्षि नारद की सलाह पर जगदम्बा की स्तुति करके उन्हें शांत किया। भगवान शिवजी के निर्देश पर विष्णुजी उत्तर दिशा में सबसे पहले मिले जीव (हाथी) का सिर काटकर ले आए। मृत्युंजय रुद्र ने गज के उस मस्तक को बालक के धड़ पर रखकर उसे पुनर्जीवित कर दिया। माता पार्वती ने हर्षातिरेक से उस गजमुख बालक को अपने हृदय से लगा लिया। ब्रह्मा, विष्णु, महेश ने उस बालक को सर्वाध्यक्ष घोषित करके अग्र पूज्य होने का वरदान दिया। महान क्रांतिकारी बंकिम चंद्र चटर्जी ने 1882 मे वन्देमातरम नामक एक गीत लिखा था। जिस पर भी अंग्रेजों ने प्रतिबंध लगा कर गीत गाने वालों को जेल मे डालने का फरमान जारी कर दिया था। इन दोनों बातों से लोगो मे अंग्रेजो के प्रति बहुत नाराजगी व्याप्त हो गयी थी। लोगो मे अंग्रेजो के प्रति भय को खत्म करने और इस कानून का विरोध करने के लिए महान स्वतंत्रता सेनानी लोकमान्य तिलक ने गणपति उत्सव की स्थापना की और सबसे पहले पुणे के शनिवारवाड़ा मे गणपति उत्सव का आयोजन किया गया। देश की आजादी के आन्दोलन में गणेश उत्सव ने बहुत महत्वपूण भूमिका निभायी थी। 1894 मे अंग्रेजो ने भारत मे एक कानून बना दिया था जिसे धारा 144 कहते हैं जो आजादी के इतने वर्षों बाद आज भी लागू है। इस कानून मे किसी भी स्थान पर 5 से अधिक व्यक्ति इकट्ठे नहीं हो सकते थे। और ना ही समूह बनाकर कहीं प्रदर्शन कर सकते थे। 1894 से पहले लोग अपने अपने घरो मे गणपति उत्सव मनाते थे। लेकिन 1894 के बाद इसे सामूहिक तौर पर मनाने लगे। पुणे के शनिवारवडा के गणपति उत्सव मे हजारो लोगो की भीड़ उमड़ी। लोकमान्य तिलक ने अंग्रेजो को चेतावनी दी कि हम गणपति उत्सव मनाएगे अंग्रेज पुलिस उन्हे गिरफ्तार करके दिखाये। कानून के मुताबिक अंग्रेज पुलिस किसी राजनीतिक कार्यक्रम मे एकत्रित भीड़ को ही गिरफ्तार कर सकती थी। लेकिन किसी धार्मिक समारोह मे उमड़ी भीड़ को नहीं। 20 अक्तूबर 1894 से 30 अक्तूबर 1894 तक पहली बार 10 दिनो तक पुणे के शनिवारवाड़ा मे गणपति उत्सव मनाया गया। लोक मान्य तिलक वहां भाषण के लिए हर दिन किसी बड़े नेता को आमंत्रित करते। 1895 मे पुणे के शनिवारवाड़ा मे 11 गणपति स्थापित किए गए। उसके अगले साल 31 और अगले साल ये संख्या 100 को पार कर गई। फिर धीरे -धीरे महाराष्ट्र के अन्य बड़े शहरो अहमदनगर, मुंबई, नागपुर, थाणे तक गणपति उत्सव फैलता गया। गणपति उत्सव में हर वर्ष हजारो लोग एकत्रित होते और बड़े नेता उसको राष्ट्रीयता का रंग देने का कार्य करते थे। इस तरह लोगो का गणपति उत्सव के प्रति उत्साह बढ़ता गया और राष्ट्र के प्रति चेतना बढ़ती गई। 1904 में लोकमान्य तिलक ने लोगो से कहा कि गणपति उत्सव का मुख्य उद्देश्य स्वराज्य हासिल करना है। आजादी हासिल करना है और अंग्रेजो को भारत से भगाना है। आजादी के बिना गणेश उत्सव का कोई महत्व नहीं रहेगा। तब पहली बार लोगो ने लोकमान्य तिलक के इस उद्देश्य को बहुत गंभीरता से समझा। आजादी के आन्दोलन में लोकमान्य तिलक द्वारा गणेश उत्सव को लोकोत्सव बनाने के पीछे सामाजिक क्रान्ति का उद्देश्य था। लोकमान्य तिलक ने ब्राह्मणों और गैर ब्राह्मणों की दूरी समाप्त करने के लिए यह पर्व प्रारम्भ किया था जो आगे चलकर एकता की मिसाल बना। भगवान गणेश ने बिना रुके दस दिनों तक महाभारत लिखी। इस दौरान एक ही स्थान पर लगातार लेखन करने के कारण गणेश जी के शरीर पर धूल और मिट्टी जम गई थी।

संगठन पर्व से राष्ट्र निर्माण

विष्णुदत्त शर्मा

लोकतंत्र की भावना भारतीय जनता पार्टी संगठन की पंच निष्ठाओं में से एक है। यह भावना सिर्फ वैचारिक स्तर पर ही नहीं, अपितु पार्टी के आचरण और उसकी कार्यपद्धति में भी स्पष्ट दिखाई देती है। संगठन पर्व भाजपा का सदस्यता अभियान इसी लोकतांत्रिक कार्य पद्धति का महत्वपूर्ण अंग है, जिसके माध्यम से नए सदस्य भाजपा परिवार से जुड़ते हैं और विचार को विस्तार देते हैं। ऐसे ही विशिष्ट कार्यशैली वाले अभियानों के बल पर भाजपा दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बन चुका है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा सदस्यता ग्रहण किए जाने के उपरांत देश में 2 सितंबर से संगठन पर्व प्रांरभ हो चुका है। हमारे पूर्वजों ने पार्टी संगठन तथा कार्यकर्ताओं को गढ़ने और तराशने के लिए जो त्याग और परिश्रम किया है, उसी के बल पर वर्तमान में मध्यप्रदेश के पार्टी संगठन को पूरे देश में आदर्श माना जाता है। प्रदेश के लाखों-लाख कार्यकर्ता अपनी इस पहचान को कायम रखते हुए संगठन पर्व में पार्टी के विस्तार को नई ऊंचाईयां प्रदान करने को तैयार हैं।

पंचनिष्ठाओं पर आधारित हमारा विचार और आधार- भाजपा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित 'एकात्म-मानवदर्शन' को अपने वैचारिक, दर्शन के रूप मंय अपनाया है तथा सुशासन, विकास एवं सुरक्षा भाजपा की प्राथमिकताएं हैं। पार्टी ने पांच प्रमुख सिद्धांतों के प्रति भी अपनी निष्ठा व्यक्त की है, जिन्हें 'पंचनिष्ठा' कहते हैं। यह पंचनिष्ठाएं राष्ट्रवाद एवं राष्ट्रीय अखंडता, लोकतंत्र, सकारात्मक पंथ-निरपेक्षता (सर्वधर्म समभाव), गांधीवादी समाजवाद (सामाजिक-आर्थिक विषयों पर गाँधीवादी दृष्टिकोण द्वारा शोषण मुक्त समरस समाज की स्थापना) तथा मूल्य आधारित राजनीति है। भाजपा अकेली ऐसी पार्टी है, जो वैचारिक प्रतिष्ठान और अधिष्ठान पर चलती है, और जो राष्ट्रवादी विचारों से जुड़ी है। हमें गर्व है कि हमारा दल देश का ऐसा एकमात्र राजनीतिक दल है, जिसने राष्ट्रहितों के साथ कभी समझौता नहीं किया, अन्य सभी दलों ने सत्ता प्राप्ति एवं स्वार्थ सिद्धि के लिए एक नहीं, अनेकों बार समझौता किया। भाजपा के लिए राजनीति केवल सत्ता प्राप्त करने का साधन नहीं है, समाज को अपेक्षित दिशा में प्रगति पथ पर ले जाना भी उसका पहला कार्य है। इसके लिये संगत दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है, जो संगत विचारधारा से प्राप्त होता है। भाजपा को छोडकर आज भारत के सभी राजनैतिक दल विचारधारा की शून्यता के शिकार हैं। भाजपा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, एकात्म मानववाद तथा पंचनिष्ठाओं की संगत विचारधाराओं के आधार पर संगठन का नियमन कर रही है। शासन की नीति में भी इनका समुचित प्रतिबिम्बन होगा। भाजपा राष्ट्र प्रथम के साथ शोषित, वंचित, पीड़ित का उत्थान और सेवा कर रही है।

राष्ट्र सर्वोपरि के भाव से अनेकानेक ऐतिहासिक निर्णय हुए हमारे विचार की संकल्प शक्ति की वजह से ही लगभग पांच सौ वर्षों की प्रतीक्षा के पश्चात आज अयोध्या में भव्य व दिव्य राम मंदिर के निर्माण का सपना वास्तविकता बना है। हमारे पार्टी के संस्थापकों एवं असंख्य कार्यकर्ताओं ने श्रीरामलला को अपने मंदिर में विराजमान देखने हेतु अपनी चुनी हुई सरकारें भी न्यौछावर कर दीं, यह अपने विचारधारा पर अडिग रहने का एक उदाहरण मात्र है। हमारे पितृपुरुषां का संकल्प एवं एक देश में "दो विधान, दो प्रधान, दो निशान नहीं चलेंगे की पूर्ति स्वरूप अनुच्छेद 370 को हटाने ऐतिहासिक निर्णय हमारी ध्येय पूर्ति की यात्रा का और एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार एवं हमारे पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं देश के वर्तमान गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के कार्यकाल में भाजपा ने श्रद्धेय अटलजी की सरकार तथा तत्कालीन संगठन की नीतियों को दिशा देने के प्रयास के साथ ही अपनी विचारधारा अनुरूप "राष्ट्र सर्वोपरि मानकर अनेकानेक ऐतिहासिक निर्णय किये हैं जो हमारी विचारों की स्पष्टता को प्रतिलक्षित करते हैं। हमारे संस्थापकों ने भारत को विश्व गुरू बनाने का जो सपना देखा था आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में उस ओर हम कर्तव्यपरायणता के साथ अग्रसर हैं।

अंत्योदय का सपना साकार कर रही मोदी सरकार- हमारी ध्येय यात्रा में पूर्ण बहुमत की सरकार आते ही तीन तलाक कानून, नागरिकता संशोधन कानून, आपराधिक न्यायिक कानूनों में बदलाव के साथ ही पंडित दीनदयाल जी के अंत्योदय पर आधारित गरीब-कल्याण की योजनाओं के द्वारा करोड़ों गरीब लोगों के जीवन में परिवर्तन लाने का काम भी हुआ है। हमारी केंद्र की सरकार ने अंत्योदय के सिद्धांत अनुरूप ही 50 करोड़ से अधिक लोगों के जनधन खाते खुलवाए और आयुष्मान, उज्ज्वला और पीएम आवास जैसी अनुकरणीय योजनाएं संचालित की गईं और देश खुले में शौच से मुक्त हुआ। घर-घर बिजली पहुंचाई गई, 10 करोड़ से अधिक परिवारों को गैस कनेक्शन दिए गए और हर घर शुद्ध पेयजल पहुँचाया। कुछ प्रमुख आधारभूत कार्य हैं जो देश की पूर्ववर्ती सरकारों के 50 वर्षों के शासनकाल की प्राथमिकता होनी चाहिए थी, किन्तु वोट बैंक की राजनीति की वजह से किसी एक वर्ग विशेष की चिंता ही उनकी राजनीति की प्राथमिकता रही है। वे तुष्टीकरण करते रहे, हमने संतुष्टीकरण करने का ईमानदार प्रयास किया। वास्तव में, केंद्र और राज्यों की हमारी सरकारें सुशासन के प्रति समर्पित रहती हैं क्योंकि यही लोकतंत्र की आवश्यकता है। भाजपा समाज के आखिरी छोर पर खड़े व्यक्ति के विकास की बात ही नहीं करती, बल्कि उसे चरितार्थ भी करती है।

भाजपा के सिद्धांतों के अनुरूप प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने पारदर्शिता के शासन से देश के लोकत्रंत को मजबूती दी है, जिससे सामान्य व्यक्ति आज गरिमा के साथ जीवनयापन कर रहा है। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के साथ विश्व में एक बड़ी ताकत बनकर उभरा भारत आज भारत ही नहीं पूरा विश्व देख रहा है कि एक राजनीतिक दल और उसका नेतृत्व किस प्रकार अपने उन संकल्पों को पूरा करने में सफल सिद्ध हुआ है, जिन्हें पूरा करना कभी असंभव सा लगता था। भाजपा सरकार में अपनी सांस्कृतिक पहचान के साथ विश्व में एक बड़ी ताकत बनकर उभरे भारत ने अपने पुराने स्वाभिमान और आत्मगौरव को भी वापस हासिल किया है। राष्ट्रीय संकट में जनकल्याण की कसौटी पर भी भारत ने लोकतांत्रिक व्यवस्था में भाजपा के नेतृत्व ने एक अनूठा उदाहरण विश्व के समक्ष प्रस्तुत किया है। कोरोना संकट में दुनिया के अनेक देशों ने जहाँ अपने नागरिकों को अपने हाल पर छोड़ दिया, वहीं भारत में भाजपा की मोदी सरकार ने अपने हर नागरिक के जीवन को अमूल्य मानते हुए उनके लिए अनाज के साथ दवाओं और अन्य वस्तुओं को उपलब्ध कराया। स्वदेशी वैक्सीन के आविष्कार में प्रेरक भूमिका तो निभाई और हर नागरिक के लिए उसे मुफ्त उपलब्ध कराने हेतु विश्व का सबसे बड़ा वैक्सिनेशन अभियान चलाकर दुनिया से अपने सामर्थ्य का लोहा भी मनवा लिया है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास ही भाजपा का मूलमंत्र बन गया है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

यह है आत्मविश्वास बढ़ाने की कुंजी

(रवीन्द्र गुप्ता)

हर इंसान अपने लक्ष्य की प्राप्ति में प्रयासरत रहता है। उसके लिए जरूरी होता है 'आत्मविश्वास'। 'आत्मविश्वास' यानी अपनी आत्मा पर विश्वास या अपने आप पर विश्वास।

जीवन में हर काम अपने आत्मविश्वास के बलबूते पर ही होते हैं। आत्मविश्वास के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण का होना जरूरी होता है। बिना आत्मविश्वास के कोई भी काम सफल नहीं हो सकता है।

अगर होता भी है तो निम्नस्तर का या आधा-अधूरा व खराब। आइए, हम जानते हैं आत्मविश्वास के बारे में-

क्या है आत्मविश्वास?

आत्मविश्वास वस्तुत: एक मानसिक एवं आध्यात्मिक शक्ति है। इससे महान कार्यों के संपादन में सहजता और सफलता हमें प्राप्त होती है। बगैर आत्मविश्वास के इन कार्यों की सफलता संदिग्ध ही बनी रहती है।

एकाग्रचित बनें

जिस भी व्यक्ति का मन शंका, चिंता और भय से भरा हो वह बड़े कार्य तो क्या, साधारण से साधारण कार्य भी नहीं कर सकता है। चिंता व शंका आपके मन को कभी भी एकाग्र न होने देंगे अत: आत्मविश्वास बढ़ाने हेतु अपने मन से सभी प्रकार के संदेह निकालें तथा एकाग्रता को बढ़ाएं।

आत्मविश्वास अद्भुत शक्ति

आत्मविश्वास एक अद्भुत शक्ति होती है। इसके बल से व्यक्ति तमाम विपत्तियों तथा शत्रुओं का सामना कर लेता है। संसार के अभी तक के बड़े से बड़े कार्य आत्मविश्वास के बलबूते ही हुए हैं और हो रहे हैं तथा होते रहेंगे।

बच्चों में आत्मविश्वास भरें

माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चों में आत्मविश्वास भरें। उनका आत्मविश्वास कभी कम नहीं करना चाहिए। उन्हें कभी भी इस प्रकार के नकारात्मक शब्द कि 'तुम कुछ नहीं जानते' या 'तुम में इस बात की कमी है' कभी नहीं कहने चाहिए।

इससे बच्चों का आत्मविश्वास कम होता है तथा इससे उनमें हीनभावना जागृत होती है तथा वे कुंठित हो जाते हैं। आज जग में जो निराशा की भावना तथा गरीबी दिखाई दे रही है उसके पीछे प्रमुख कारण यही हीनभावना है।

ऐसे बढ़ाएं आत्मविश्वास –

सकारात्मक चिंतन हो : सबसे पहले व्यक्ति को चाहिए कि वह हमेशा सकारात्मक चिंतन करे। सकारात्मक विचारधारा के लोगों के साथ ही रहें। कहा भी जाता है कि 'जैसी संगति, वैसी उन्नति'। जैसी आपकी विचारधारा होगी, दिमाग भी वही सोचने लगता है अत: सकारात्मक ही सोचें तथा साथ ही अपनी खामियों को भी स्वीकार करें।

आत्मविश्वास से भरपूर होने का अभ्यास करें –

आप अपना आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए यह प्रयास करें कि मैं सक्षम हूं। मैं यह कार्य कर सकता हूं। मुझे इसमें कोई दिक्कत नहीं आएगी।

महानायक अमिताभ बच्चन को भी पहली बार अभिनय करते वक्त काफी डर लगता था। जब अधिक डर लगता था तो वे स्वयं से कहते थे कि 'मैं जिसका रोल कर रहा हूं वह व्यक्ति मैं ही हूं' ऐसा सोचते व करते उनका आत्मविश्वास बढ़ गया व आज वे 'बिग बी' कहलाते हैं।

बीती ताहि बिसारि दे : अपने द्वारा भूतकाल में की गईं गलतियों, असफलताओं को आप भुलाकर नई शुरुआत करें। भविष्य की योजना बनाएं तथा लक्ष्य निर्धारित कर उसकी प्राप्ति में जुट जाएं।

उपलब्धियां याद रखें : आत्मविश्वास की कुंजी है असफलता को स्वीकारना। श्रेष्ठ काम के लिए स्वयं को सराहें। आपके द्वारा सफलतापूर्वक किया गया काम आप फिर दोहरा सकते हैं इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

नया सीखते रहें : यदि आपको वर्तमान परिस्थिति जटिल लगे तो उसे नए तरीके से सीखने का प्रयास करना चाहिए। कुछ नया सीखने से आपका आत्मविश्वास तथा उत्साह बढ़ेगा तथा आपको इस बात का एहसास होता रहेगा कि 'मैं कुछ अलग व नया जानता हूं।' इससे आपका काम कम समय में बेहतर तरीके से होगा।

व्यक्तित्व को निखारिए : अपने व्यक्तित्व विकास पर ध्यान देते रहें तथा हमेशा अपना व्यक्तित्व आकर्षक बनाए रखिए। बॉडी लैंग्वेज और कम्युनिकेशन स्किल को सुधारें। संकीर्ण मनोवृत्ति का न बनें। स्वयं को नई सूचनाओं से अपडेट रखें तथा आसपास के परिवेश से भी तालमेल बैठाए रखें।

इस प्रकार की चंद बातों को आजमाकर आप अपना आत्मविश्वास बढ़ा सकते हैं तथा जीवन में नित नई उन्नति कर सकते हैं। तो आप भी आज से जुट जाइए अपना आत्मविश्वास बढ़ाने व तरक्की करने में।

टॉपर्स बनने के टिप्स

सफलता को पाने के लिए कड़ी मेहनत तो करनी ही पड़ती है। हम किसी कक्षा की एग्जाम या प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हों, इसके लिए सिर्फ एक ही लक्ष्य रखना पड़ता है वह है पढ़ाई।

किसी परीक्षा में टॉप करने वाले स्टूडेंट्स को देखकर मन में यही विचार आता है कि टॉपर्स किस तरह से परीक्षा की तैयारी करते हैं।

कुछ टिप्स जो टॉपर्स अपनाते हैं-

- शुरुआत में ही यह सोच लें कि आपको किस क्षेत्र में करियर बनाना है, उस क्षेत्र में सफलता के लिए जुट जाएं।
- पूर्ण समर्पण के साथ पढ़ाई करें। अगर कोचिंग के अलावा घर पर भी पढ़ाई करें।
- स्वयं का आत्मविश्वास बनाएं रखें। स्वयं पर किसी प्रकार का दबाव न आने दें।
- अपनी कमजोरियों को खोजें और उन्हें दूर करने का प्रयास करें।
- टॉपिक्स को रटने की बजाय समझकर पढ़ने की कोशिश करें।
- पढ़ाई में निरंतरता रखें। रेग्यूलर पढ़ाई करने से वह बोझ महसूस नहीं होती।
- किसी प्रतियोगी एग्जाम की तैयारी प्लानिंग से करें ताकि रिविजन में परेशानी न आए।
- अपने ऊपर किसी प्रकार का दबाव न आने दें।
- पढ़ाई के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी आने पर उसका टीचर्स से या दोस्तों के साथ मिलकर हल निकालने का प्रयास करें।
- जिस क्षेत्र में आप तैयारी कर रहे हैं, उस क्षेत्र के एक्सपर्ट्?स का मार्गदर्शन समय-समय पर लेते रहें।

ऐसे करें टाइम मैनेजमेंट

समय का पहिया निरंतर घूमता रहता है। किसी के लिए रुकता नहीं है। जिस तरह मुट्ठी में बंधी हुई रेत को फिसलने से हाथ में ?नहीं रोका जा सकता है, उसी तरह समय के ?पहिए को भी नहीं रोका जा सकता है।

कॉम्पीटिशन के इस दौर में समय के साथ चलना जरूरी है। अक्सर लोग समय का रोना रोते रहते हैं। खासकर युवा व्यर्थ कामों में अपना समय लगाकर अपने महत्वपूर्ण काम की अनदेखी करते हैं। फिर उनकी शिकायत रहती है हमें समय ही नहीं मिलता। ऐसे में आवश्यकता होती है टाइम मैनेजमेंट की। आप अपना कार्य जितने व्यवस्थित तरीके से करेंगे, काम उतना बेहतर और जल्दी होगा।

जानिए टाइम मैनेजमेंट के कुछ टिप्स-

- सबसे पहले यह देखें कि आप कहां टाइम वेस्ट कर रहे हैं। जैसे चेटिंग, फेसबुक, ई-मेल या टीवी वगैरह। इन कामों का समय निर्धारित कर आप काफी टाइम बचा सकते हैं।
- प्राथमिकताएं तय कीजिए। जो काम जरूरी है उसे अभी ?कीजिए और जो बाद में किया जा सकता है, उसके लिए समय तय कीजिए। गैर जरूरी काम छोड़कर भी आप वर्कलोड कम कर सकते हैं।
- टाइम मैनेजमेंट टूल्स का उपयोग कीजिए। मोबाइल, कैलेंडर या चार्ट वगैरह की मदद से काम समय पर निपटाए जा सकते हैं। बस रिमांडर को अवॉइड करने की आदत छोड़नी होगी।
- काम आउटसोर्स कीजिए। आप चाहें स्टूडेंट हों, प्रोफेशनल हों या गृहिणी, ऐसे कई काम हैं जो दूसरों से करवाए जा सकते हैं। इससे आपका वर्कलोड कम होगा और आप बेहतर काम कर पाएंगे।
- इंतजार में वक्त बर्बाद न करें। कई मौकों पर हमें इंतजार करते हुए लंबा समय गुजारना पड़ता है। कुछ छोटे-मोटे काम इस समय निपटाए जा सकते हैं। जैसे मेल्स चेक करना, नोट्?स बनाना या जरूरी फोन लगाना।

इन आसान टिप्स को अपनाकर आप समय के सदउपयोग के साथ उसके साथ आगे बढ़ सकेंगे।

संकल्पों के साथ कैरियर की शुरुआत

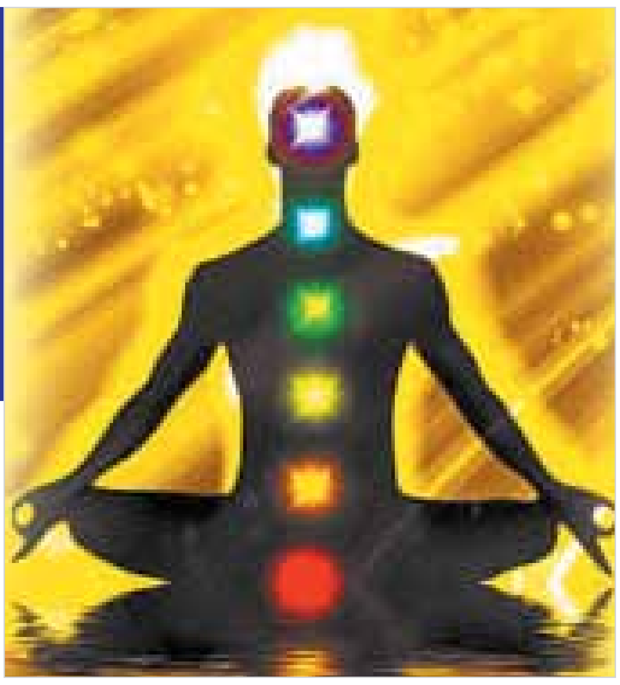

जो संकल्प लिया गया हो, उसके बारे में अपने दोस्तों तथा रिश्तेदारों को भी बताना जरूरी है। इससे फायदा यह होगा कि आप संकल्प पूर्ण करने में जरा भी कमजोर या निष्क्रिय दिखाई दिए तो आपके दोस्त व रिश्तेदार आपको आपके संकल्प की याद दिला देंगे।

कई लोगों को लगता है कि जिंदगी बहुत छोटी है, इसमें कई बड़े काम करने हैं। यह सही है कि जीवन बहुत छोटा है, लेकिन यह सोच कतई उचित नहीं है कि आप एकसाथ कई संकल्प कर लें या कामों की लाइन लगा दें। मतलब यही कि आप कई संकल्प एकसाथ न लें। ऐसा करना अपनी क्षमताओं को बहुत ज्यादा आंकने से भी हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि ठोक-बजाकर वही संकल्प लें, जिसे पूरा करना संभव हो।

अक्सर देखा जाता है कि देखा-देखी या किसी के कहने में आकर भी संकल्प ले लिए जाते हैं। ऐसे संकल्पों की कोई ठोस जमीन नहीं होती। नतीजतन संकल्प का कोई मतलब नहीं रह जाता। इससे बेहतर है कि अपनी रुचि, इच्छा तथा तैयारी हो तभी संकल्प लें। हरेक व्यक्ति की क्षमता, सोच, उत्साह, जोश, प्रवृत्ति, प्रकृति आदि अलग-अलग होते हैं। इसलिए अपने व्यक्तित्व को जाँचकर संकल्प लें।

जो संकल्प लिया गया हो उसके बारे में अपने दोस्तों तथा रिश्तेदारों को भी बताना जरूरी है। इससे फायदा यह होगा कि आप संकल्प पूर्ण करने में जरा भी कमजोर या निष्क्रिय दिखाई दिए तो आपके दोस्त व रिश्तेदार आपको आपके संकल्प की याद दिला देंगे।

बड़े काम तभी संभव हो पाते हैं, जब उन्हें पूरा करने में हम पूरी दृढ़ता के साथ पूरी शक्ति, उमंग, जोश तथा ऊर्जा के साथ लग जाते हैं। यदि हमारी मनःस्थिति ढुलमुल रही या हम 'हां-ना' के जाल में फंसे रहे तो एक कदम भी आगे नहीं बढ़ा सकते। काम छोटा हो या बड़ा, उसे पूरा करने के लिए सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

जीवन को अर्थवान बनाने के लिए कई लोग तरह-तरह के संकल्प लेते हैं। इससे उनके जीवन का लक्ष्य तय होता है। प्रसिद्ध विचारक स्वेट मॉर्डेन ने अपनी पुस्तक में लिखा है, 'ऐसा व्यक्ति कठिनाई से मिलता है, जो विश्वासपूर्वक यह कह सके कि मैं करूंगा। जो कार्य मुझे करना चाहिए मैं उसे करता हूं, जो कार्य मैं कर सकता हूं, वह मुझे करना चाहिए। भगवान की कृपा से मैं ऐसे कार्य अवश्य पूरे करूंगा। मैंने परम पिता परमेश्वर के सम्मुख प्रण लिया है कि मैं इसे अवश्य पूर्ण करूंगा।' व्यक्ति इस आधार पर अपना संकल्प तय कर ले तो उसमें जो आत्मविश्वास एवं दृढ़ता आएगी, उससे उसके संकल्प के पूरा होने में कोई संदेह नहीं रहेगा।

किसी भी संकल्प को लेने से पहले सबसे ज्यादा जरूरी है कि बिलकुल शांत तथा एकाग्र हो जाएं। फिर अपनी तमाम शक्तियों या क्षमताओं तथा कमजोरियों का पूरा आकलन करें। इसमें अपनी रुचि को सर्वोच्च स्थान दें।

ऐसा करने से आपको अपनी सीमाओं का पता चल जाएगा और आप अपनी हद में रहकर संकल्प ले सकेंगे। यदि ऐसा नहीं किया गया तो संकल्प अति उत्साह या आवेग में लिया हुआ होगा, जिसका ज्वार बहुत जल्दी उतर जाता है। ऐसे में व्यक्ति का संकल्प भी धरा-का-धरा रह जाता है। इसका असर इतना विपरीत होता है कि व्यक्ति निराश एवं हताश हो जाता है, जिससे उसके दूसरे कार्य भी बिगड़ जाते हैं। उसका संपूर्ण व्यक्तित्व नकारात्मक दिशा में जा सकता है।

नहीं मिल रही है नौकरी, तो करें...

अगर सभी योग्यता और डिग्री होने के बाद भी आपको नौकरी नहीं मिल रही है। भरपूर प्रयत्न करने के बाद भी आप जॉब मार्केट में कंपनियों का ध्यान आकर्षित नहीं कर पा रहे हैं। आप इंटरव्यू में सफल नहीं हो पा रहे हैं तो आपको सेल्फ एनालिसिस करना होगा।

इससे आप अपनी खूबियों को पहचान सकेंगे और उन्हें जॉब्स ढूंढने में उपयोग कर सकते हैं। कुछ खास बातें जो आपको नौकरी दिलाने में मददगार हो सकती हैं-

कम्युनिकेशन बढ़ाएं- सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट्?स पर सक्रिय रहें। लोगों से मिलें। हर जॉब पोर्टल पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाना चाहिए। नौकरी की अपनी जरूरतों को स्पष्ट रूप से बता देना चाहिए। ई-मेल या फोन करने की बजाय लोगों से सीधे मिलें। इससे आपका प्रभाव लोगो पर अच्छा पड़ेगा।

विकल्पों पर रखें नजर- आप जिस क्षेत्र में नौकरी करना चाहते हैं, उससे जुड़ी कंपनियों के वर्क कल्चर और हायरिंग प्रोसेस के बारे में जानकारी जुटाएं। कुछ ऐसी कंपनियों पर भी गौर कर सकते हैं, जो अलग-अलग तरह के काम करवाती हैं।

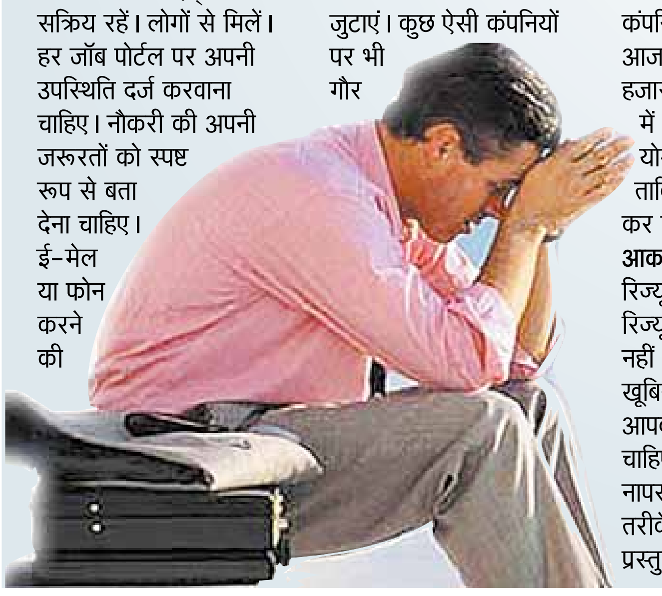

अपनी खूबियों को पहचानें- नौकरी ढूंढने से पहले आपको अपनी खूबियों की बारे में पूरी जानकारी होनी चाहिए। इस बात की भी जानकारी रखें कि आज जॉब्स देने वाली कंपनियों की जरूरतें क्या हैं। आजकल एक नौकरी के लिए हजारों आवेदन आते हैं, ऐसे में आपमें कुछ खास योग्यताएं होनी चाहिए , ताकि आप वह जॉब हासिल कर सकें।

आकर्षक हो रिज्यूमे- आपका रिज्यूमे आकर्षक होना चाहिए। रिज्यूमे में ओवरलोड कंटेंट नहीं होगा चाहिए। अपनी खूबियां संक्षेप में होनी चाहिए। आपका प्रोफाइल खास होना चाहिए। अपनी पसंद और नापसंद और काम करने के तरीके के बारे खास तरीके से प्रस्तुति दें।

इंटरव्यू के लिए खास बातें

कहते हैं फर्स्ट इंम्प्रेशन इज़ लास्ट इम्प्रेशन। किसी जॉब के लिए इंटरव्यू देते समय आपको इन्हीं बातों का ध्यान रखना पड़ता है। आप इंटरव्यू में अपने आपको सही तरीके से प्रस्तुत करेंगे तो आपको जॉब मिलने में आसानी होगी। आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं।

समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुचें और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

हरेक गतिविधि पर नजर- इंटरव्यू देते वक्त आपका ध्यान सिर्फ उसी पर रहता है। इंटरव्यूअर आपसे सवाल-जवाब करने के दौरान आपकी प्रत्येक हलचल पर ध्यान रखता है।कई कंपनियों में तो कैंडिडेट्?स के व्यवहार को देखने के लिए रिसेप्शन पर कैमरे तक लगाए जाते हैं। हायरिंग मैनेजर इन कैमरों से यह देखते हैं कि आप रिसेप्शनिस्ट और दूसरे इंटरव्यू देने आए प्रतिभागियों से कैसा व्यवहार कर रहे हैं।

बातों को बढ़ा-चढ़ाकर न बोलें- इंटरव्यू के दौरान अनावश्यक न बोलें। आपसे जो सवाल किया जाए, उसी का सीधे तरीके से जवाब दें। कई लोगों की आदत जरूरत से ज्यादा बोलने की होती है। इंटरव्यूवर को इस बात से सख्त नफरत होती है कि आप उसके सवाल का जवाब देने की बजाय इधर-उधर की बातें करें। अगर आप फालतू की बात करेंगे तो यही माना जाएगा कि आपको कुछ पता नहीं है।

सकारात्मक जवाब- इंटरव्यू के दौरान अपने पॉजीटिव एटिट्यूट को प्रदर्शित करें। इंटरव्यू के दौरान आपसे चाहे जितने नकारात्मक प्रश्न पूछे जाएं, आप उनका जवाब पॉजीटिव ही दें। इंटरव्यू के दौरान ज्यादा कम्फर्टेबल और फ्रेंडली होने का प्रयास भी न करें।

अपने इम्प्लोयर की न करें आलोचना- आप अपने वर्तमान जॉब से चाहे कितने ही असंतुष्ट क्यों न हों, लेकिन इंटरव्यू के दौरान अपने इम्प्लोयर की किसी भी तरह की आलोचना न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो इंटरव्यू पैनल में आपके बारे में गलत संदेश जाएगा।

यशस्वी बोले, रोहित के साथ पारी शुरु करने से मेरी बल्लेबाजी बेहतर हुई

बेंगलुरू। भारतीय क्रिकेट टीम के उभरते हुए बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कहा है कि कप्तान रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करने के दौरान जो अनुभव उन्हें मिला है वह बेहद फायदेमंद रहा है। यशस्वी के अनुसार रोहित के साथ बल्लेबाज कर उन्हें ये समय आया है कि किस प्रकार विकेट और हालात को देखकर बल्लेबाजी में बदलाव किया जा सकता है। यशस्वी ने अब तक नौ टेस्ट मैच खेले हैं। इस दौरान रोहित के साथ सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे हैं और दोनो के बीच ही कई अहम साझेदारियां भी हुई हैं। इस युवा बल्लेबाज ने कहा, ''जब भी मैं उनके साथ बल्लेबाजी करने जाता हूं तो उसका अनुभव अलग तरीके का होता है। वह अपने अनुभव मेरे साथ साझा करते रहे हैं। जिस तरह से वह खेल को नियंत्रित करते हैं और विकेट को समझते हैं, उसे हमें सीखने को काफी कुछ मिलता है।''

साथ ही कहा, ''उनके साथ बल्लेबाजी करने पर अंदाजा होता है कि विकेट गिरने पर या तेज गेंदबाजी और स्पिनरों की अनुकूल पिच पर कैसे खेला जाता है। '' साथ ही कहा कि पिछले एक साल में मैंने अपनी बल्लेबाजी पर भी काफी धयान दिया है। जिसे अब मुझ पता चल रहा है कि किस प्रकार से खेलना चाहिये जिससे हालातों के अनुसार अपने खेल को बदला जा सके। मुझे लगता है कि पिछले एक साल में ये मेरे लिए बहुत अहम रहा है। वहीं जब मैं घरेलू क्रिकेट खेल रहा था, तो मुझे कई चीजों के बारे में जानकारी नहीं थी।'' जायसवाल ने कहा, ''वहीं जब से मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलना शुरू किया है तभी से मेरी संवाद और खेल को पढ़ने की समझ बेहतर हुई है। मैं इसी प्रकार आगे भी खेलना चाहता हूं। इस युवा खिलाड़ी ने कहा कि मुख्य कोच गौतम गंभीर भी खिलाड़ियों क पूरी सहायता करते। उन्होंने सभी से निडर होकर अपना स्वाभाविक खेल खेलने को कहा है। इससे भी सबका मनोबल बढ़ा है। '' यशस्वी ने कहा कि उनका लक्ष्य बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली आगामी सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा।

बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में पूरी ताकत से उतरेगी भारतीय टीम : ऋषभ

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कहा है कि बांग्लादेश के खिलाफ इसी माह होने वाली सीरीज में उनकी टीम पूरी गंभीरता से उतरेगी। ऋषभ ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में किसी भी टीम को हल्के में नहीं लिया जा सकता। इसलिए हमारा लक्ष्य अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। बांग्लादेश ने हाल ही में पाकिस्तान को 2-0 से टेस्ट सीरीज में हराया है। इससे भी उसके हौंसले बुलंद हैं। भारतीय टीम 19 सितंबर से चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ पहला टेस्ट खेलेगी।

भारतीय टीम अगले पांच महीनों में कुल 10 टेस्ट खेलेगी। बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के बाद भारतीय टीम को अक्टूबर-नवंबर में न्यूजीलैंड से तीन टेस्ट मैच खेलने हैं। वहीं टीम साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी जहां उसे पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर सीरीज खेलनी है। ऋषभ ने कहा, पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसी टीमें एशियाई हालातों में बेहतर प्रदर्शन करती हैं क्योंकि उनको इसका अंदाजा होता है। इसलिए हमें अपने प्रदर्शन का स्तर ऊपर रखना होगा। हमें केवल अपेन खेल पर ध्यान देते हुए बाकि बातों को भूल जाना होगा। विरोधी टीम कोई भी हो हमें अपनी ओर से पूरी ताकत लगानी होगी। जब हम अपना 100 फीसदी प्रदर्शन करते हैं तो परिणाम भी हमारे अनुकूल रहेंगे।

इस विकेट कीपर बल्लेबाज ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में टीमों के बीच अंतर कम होने के साथ किसी भी सीरीज को कम नहीं आंका जा सकता है। उन्होंने कहा, दबाव हमेशा रहेगा क्योंकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आप किसी भी सीरीज को हल्के में नहीं ले सकते क्योंकि जीत और हार का अंतर काफी कम होता है।

बैलन डी पुरस्कार के लिए चयनित 30 खिलाड़ियों में रोनाल्डो और मेसी शामिल नहीं

पेरिस। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में शीर्ष स्तर के प्रदर्शन के लिए दिये जोन वाले बैलन डी ओर पुरस्कार 2024 के लिए 30 उम्मीदवारों को नामांकित किया गया है। हैरानी की बात है कि इसमे पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो और अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी के नाम शामिल नहीं हैं। मेसी ने अब तक सबसे अधिक आठ बार ये पुरस्कार जीता है। मेसी को पिछले साल आठवीं बार ये पुरस्कार मिला था। वहीं रोनाल्डो को ये पुरस्कार पांच बार मिला है। साल 2008 से 2017 के बीच 10 साल तक ये पुरस्कार मेसी या रोनाल्डो को मिला है। वहीं साल 2018 में ये पुरस्कार क्रोशियाई फुटबॉलर लुका मोड्रिक ने जीता था। फ्रांस फुटबॉल टीम ने साल 2024 के लिए जो नाम दिये हैं उसमें स्टार फुटबॉलर किलियन एमबाप्पे, जूड बेलिंगहैम, विनीसियस जूनियर जैसे नाम शामिल हैं। वहीं पिछले सत्र में चैंपियंस लीग और ला लीगा जीतने वाले रियल मैड्रिड के सबसे अधिक खिलाड़ी इस सूची में शामिल थे। इस बार यूरो कप जीतने वाली स्पेनिश टीम के 6 खिलाड़ियों यमल, विलियम्स और ओल्मो के अलावा रॉड्री, एजेजांद्रो ग्रिमाल्डो और दानी कार्वाजल को अंतिम 30 में जगह मिली है।

दिलीप ट्रॉफी में शुभमन टेप लगी जर्सी में दिखे

बेंगलुरु। दलीप ट्रॉफी में इंडिया ए टीम की कप्तानी कर रहे शुभमन गिल इंडिया बी से मुकाबले के दौरान एक ऐसे जर्सी पहनकर उतरे जिसको देखकर सभी हैरान हो गये। इसका कारण है कि शुभमन की जर्सी पर पीठ की ओर एक बड़ा सा टेप लगा हुआ था। इससे देखकर अटकलें लगायी जाने लगीं कि ऐसा क्यों हैं। जर्सी पर टेप का कारण सामने नहीं आया है पर माना जा रहा है कि शुभमन ने जो जर्सी पहनी थी वह किसी अन्य की होगी। इसलिए उसपर टेप लगा दिया गया होगा। शुभमन ल की जर्सी का नंबर 77 है। ऐसे में हो सकता है कि उनकी जर्सी का नंबर उपलब्ध ना हो। इसलिए उन्हें ऐसा करना पड़ा। इस बल्लेबाज ने अंडर 19 वर्ल्ड कप के दौरान कहा था कि वह शुरू में 7 नंबर की जर्सी पहनना चाहते थे पर ये उपलब्ध नहीं था इसलिए उन्हें मजबूरन इसे दोगुना करना पड़ा. वहीं इस मैच में युवा मुशीर खान के नाबाद शतक से पहले दिन इंडिया बी ने 7 विकेट पर 202 रन तक बनाये। मुशीर ने 227 गेंद में नाबाद 105 रन बनाए जिसमें दस चौके और दो छक्के शामिल थे। वहीं नवदीप सैनी ने नाबाद 29 रन की पारी खेली. दोनों ने आठवें विकेट के लिए 108 रन की साझेदारी करके टीम को संकट से निकाला जबकि एक समय भारत बी के 7 विकेट 94 रन पर गिर गए थे।

नीरज ने डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालीफाई किया

लुसाने। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने ब्रसेल्स में होने वाले डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। नीरज ने 14 सीरीज की बैठकों के समापन के बाद समग्र स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर रहने के साथ ही डायमंड लीग फाइनल के लिए जगह बनायी। नीरज ने अपने छठे और अंतिम प्रयास में 89.49 मीटर के थ्रो के साथ लुसाने डायमंड लीग में दूसरा स्थान हासिल किया। पीटर्स ने 90.61 मीटर के अंतिम थ्रो के साथ और जर्मनी के जूलियन वेबर ने 88.37 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ पहला और तीसरा स्थान हासिल किया। सीजन का समापन 13 और 14 सितंबर को दो दिवसीय कार्यक्रम से होगा। नीरज ने दोहा और लुसाने में सीरीज की दो बैठकों में भाग लिया और अपने दूसरे स्थान से 14 अंक हासिल किए। ऐसे में अब वह ज्यूरिख लेग से बाहर रहेंगे। नीरज तीसरे स्थान पर रहने वाले चेकिया के जैकब वडलेच से दो अंक पीछे हैं। वहीं ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स और जर्मन स्टार जूलियन वेबर 29 और 21 अंकों के साथ पहले दो स्थान पर हैं। वहीं पेरिस में चोपड़ा ने 89.45 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक हासिल किया जबकि टोक्यो में उन्हें स्वर्ण पदक मिला था। तब उन्होंने 87.58 मीटर का थ्रो लगाया था।

व्यापार

शेयर बाजार की गिरावट के साथ शुरुआत

सेंसेक्स 250 अंक गिरा, निफ्टी 25 हजार के करीब

मुंबई। वैश्विक बाजारों में कमजोरी के बीच शुक्रवार के कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार मामूली गिरावट के साथ खुले। दरअसल अमेरिका के नौकरी और पेरोल आंकड़े जारी होने से पहले निवेशक सतर्क रुख अपना रहे हैं। निफ्टी-50 इंडेक्स 0.16 फीसदी गिरकर 25,103.25 अंक पर आ गया, जबकि एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 0.21 फीसदी गिरकर 82,029.97 पर कारोबार देखा गया। सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फाइनेंस का शेयर सबसे ज्यादा 1.81 प्रतिशत चढ़कर कारोबार कर रहा था। साथ ही बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स के शेयर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। वहीं स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया का शेयर सबसे ज्यादा 1.60 प्रतिशत गिर गया। इसके अलावा अल्ट्रा सीमेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एनटीपीसी आईटीसी के शेयर गिरावट में थे। इंडेक्स सप्ताह की शुरुआत में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया, लेकिन अमेरिकी अर्थव्यवस्था के बारे में निवेशकों के चिंतित रहने और घरेलू संकेतों की कमी के कारण इसमें 0.36 फीसद की गिरावट आई है। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई का बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी-50 गुरुवार को 53.60 अंक की गिरावट के साथ 25,145.10 पर बंद हुआ। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 151.48 अंकों की गिरावट के साथ 82,201.16 के लेवल पर बंद हुआ। अमेरिकी श्रम बाजार में मंदी को लेकर चिंताएं फिर से उभर आई हैं। आंकड़ों में कुल मिलाकर नौकरियों के अवसर कम होने और निजी क्षेत्र में कम नौकरियां बढ़ने की बात सामने आई है, जिससे 17-18 सितंबर को फेड की बैठक में ब्याज दर में कटौती की उम्मीदें बढ़ गई हैं। अगर आंकड़े कमजोर रहते है तो ब्याज दरों में 0.50 प्रतिशत कटौती की संभावना बढ़ जायेगी जबकि सुधार हुआ तो दरों में 0.25 फीसदी कटौती हो सकती है।

ब्रिगेड एंटरप्राइजेज ने क्यूआईपी के जरिए जुटाए1500 करोड़

नई दिल्ली। ब्रिगेड एंटरप्राइजेज ने कारोबार बढ़ाने की अपनी रणनीति के तहत संस्थागत निवेशकों को इक्विटी शेयर बेचकर 1,500 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी ने फंड जुटाने के लिए 2 सितंबर को अपना क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) इश्यू लॉन्च किया था। यह इश्यू 5 सितंबर को बंद हुआ। ब्रिगेड एंटरप्राइजेज ने शुक्रवार को रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा कि निदेशकों की एक समिति ने क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल खरीदारों को 1,30,43,478 इक्विटी शेयरों के अलॉटमेंट को मंजूरी दे दी है। बता दें कि शेयर 1150 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के इश्यू प्राइस पर अलॉट किए गए थे और इस हिसाब से कंपनी ने क्यूआईपी के जरिए 1500 करोड़ रुपये जुटाए। हालांकि, शेयर 1164.70 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के फ्लोर प्राइस से 1.26 प्रतिशत के डिस्काउंट पर जारी किए गए थे। ब्रिगेड एंटरप्राइजेज ने मार्च में 1500 करोड़ रुपये तक की सिक्योरिटीज के जरिये फंड जुटाने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी ली थी। ब्रिगेड एंटरप्राइजेज दक्षिण भारत में महत्वपूर्ण उपस्थिति के साथ देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर्स में से एक है। ब्रिगेड एंटरप्राइजेज ने पिछले महीने जारी अपने तिमाही नतीजे में बताया था कि चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में उसका मुनाफा दो गुना से अधिक होकर 83.72 करोड़ रुपये रहा। इस बीच ब्रिगेड एंटरप्राइजेज का शेयर 12.05 रुपये चढ़कर 1,314.10 रुपये पर कारोबार कर रहा था।

भारत के सर्विस सेक्टर की ग्रोथ 5 महीने के उच्च स्तर पर

मुंबई। देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि अगस्त में जुलाई की तुलना में बढ़ गई है। इसमें मार्च के बाद से सबसे तेज बढ़ोतरी देखी गई है। एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जुलाई में 60.3 से बढ़कर अगस्त में 60.9 हो गया। यह मार्च के बाद सबसे तेज विस्तार है। इसे काफी हद तक उत्पादकता लाभ और सकारात्मक मांग के रुझान से समर्थन मिला। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है। एचएसबीसी के एक मुख्य अर्थशास्त्री ने कहा कि भारत के लिए समग्र पीएमआई में अगस्त में मजबूत वृद्धि रही जो सेवा क्षेत्र में त्वरित व्यावसायिक गतिविधि से प्रेरित है। इसमें मार्च के बाद से सबसे तेज विस्तार हुआ। यह वृद्धि मुख्य रूप से नए ठेकों खासकर घरेलू ठेकों में वृद्धि से प्रेरित रही। कच्चे माल की लागत में छह महीने में सबसे कम वृद्धि हुई, विनिर्माण तथा सेवा दोनों क्षेत्रों में भी यही रुख देखने को मिला। इससे अगस्त में आउटपुट मूल्य मुद्रास्फीति में कमी आई। सर्वेक्षण में कहा गया कि भारत की सेवा अर्थव्यवस्था में शुल्क मुद्रास्फीति की समग्र दर मध्यम रही। जुलाई में देखी गई वृद्धि की तुलना में भी यह वृद्धि धीमी रही। वहीं रोजगार का स्तर मजबूत बना रहा, हालांकि जुलाई की तुलना में नियुक्ति की गति मामूली धीमी रही।

रुपया दो पैसे मजबूत होकर 83.95 डॉलर पर

मुंबई। रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में दो पैसे मजबूत होकर 83.95 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी, घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख और विदेशी पूंजी की निकासी से स्थानीय मुद्रा की बढ़त सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया एक पैसे मजबूत होकर 83.96 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.95 पर पहुंच गया गया जो पिछले बंद से दो पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.97 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 100.97 अंक पर रहा।

सोना बढ़कर 72 हजार, चांदी 85 हजार के पार

नई दिल्ली। सोने-चांदी के वायदा कारोबार में शुक्रवार को तेजी देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। शुक्रवार को सोने के वायदा भाव 71,950 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 85,000 रुपये के पार कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 44 रुपये की तेजी के साथ 71,961 रुपये के भाव पर खुलकर 53 रुपये की तेजी के साथ 71,970 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 130 रुपये की तेजी के साथ 85,056 रुपये पर खुलकर 45 रुपये की तेजी के साथ 85,01 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,547.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,543.10 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 4.10 डॉलर की तेजी के साथ 2,547.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.15 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 29.09 डॉलर था। इस समय यह 0.03 डॉलर की तेजी के साथ 29.12 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

बॉक्स ऑफिस पर टिके रहने के लिए पूरा जोर लगा रही अक्षय की फिल्म

20वें दिन हुई 30 करोड़ के पार

अक्षय कुमार की 'खेल खेल में बॉक्स ऑफिस पर रेंग रही है. इस फिल्म को 'स्त्री 2 से टक्कर लेना भारी पड़ गया है. इसके चलते ये फिल्म कमाई के ममले में पूरी तरह पिछड़ चुकी है. फिल्म रिलीज के तीसरे हफ्ते में है और ये आधा बजट भी वसूल नहीं पाई है. चलिए यहां जानते हैं फिल्म ने रिलीज के 20वें दिन कितना कारोबार किया है? 'खेल खेल में काफी उम्मीदों के साथ सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी लेकिन फिल्म पहले ही दिन बॉक्स ऑफिस पर सुस्त साबित हुई. हालांकि फिल्म की रिलीज के बाद तारीफ भी हुई लेकिन ये सिनेमाघरों में दर्शकों को नहीं खींच पाई. नतीजतन फिल्म पहले ही हफ्ते में बॉक्स ऑफिस पर धड़ाम हो गई. वैसे 'स्त्री 2 भी इस फिल्म की राह में रोड़ा साबित हुई है. जिसके चलते ये कमाई नहीं कर पाई. फिलहाल ये फिल्म रिलीज के तीसरे हफ्ते में है और ये बॉक्स ऑफिस पर बड़ी मुश्किल से चंद करोड़ कमा पा रही है. फिल्म की कमाई की बात करें तो 'स्त्री 2 ने रिलीज के पहले हफ्ते में 19.35 करोड़ और दूसरे हफ्ते में 6.75 करोड़ का कलेक्शन किया. वहीं तीसरे हफ्ते के तीसरे शुक्रवार फिल्म ने 65 लाख, तीसरे शनिवार 1.15 करोड़, तीसरे रविवार 1.35 करोड़ और तीसरे सोमवार 55 लाख का बिजनेस किया. वहीं अब फिल्म की रिलीज के 20वें दिन यानी तीसरे मंगलवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'खेल खेल में ने रिलीज के 20वें दिन यानी तीसरे मंगलवार को 50 लाख की कमाई की है. इसी के साथ 'खेल खेल में का 20 दिनों का कुल कारोबार अब 30.3 करोड़ रुपये हो गया है. 'खेल खेल में की कमाई को 'स्त्री 2 ने चौपट कर दिया है. हालांकि फिर भी ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर टिके रहने के लिए पूरा जोर लगा रही है. फिल्म ने रेंग-रेंगकर रिलीज के 20 दिनों में 30 करोड़ का आंकड़ा तो पार कर लिया है लेकिन इसके लिए आधा बजट निकालना मुमकिन नही है. अब देखने वाली बात होगी कि फिल्म कब तक बॉक्स ऑफिस पर टिके रहने के लिए दम लगाती है. बता दें कि मुदस्सर अजीज निर्देशित 'खेल खेल में में अक्षय कुमार के अलावा फरदीन खान, तापसी पन्नू, वाणी कपूर, आदित्य सील, प्रज्ञा जयसवाल और एमी विर्क ने अहम रोल प्ले किया है. ये फिल्म 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी.

विदामुयार्ची से रेजिना कैसेंड्रा का पहला लुक जारी

अजित-तृषा की फिल्म में निभाएंगी यह किरदार

साउथ सुपरस्टार अजित कुमार की फिल्म विदामुयार्ची अपने एलान के बाद से ही सुर्खियों में है। निर्माता पहले ही फिल्म से अभिनेता का पहला पोस्टर जारी कर चुके हैं, जिसने फैंस का उत्साह बढ़ा दिया था। इसके बाद उन्होंने अभिनेता अर्जुन सरजा और तृषा के किरदार की झलक पेश की थी। वहीं, अब निर्माताओं ने प्रशंसकों का उत्साह बढ़ाने के लिए फिल्म से एक और कलाकार का पोस्टर जारी किया है। यह पोस्टर है अभिनेत्री रेजिना कैसंड्रा का, जिसमें उनके किरदार की झलक दिखाई गई है। अभिनेत्री रेजिना कैसंड्रा साउथ सुपरस्टार अजित की फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। वहीं आज निर्माताओं ने अभिनेत्री का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी कर दिया है, जिसके बाद से प्रशंसक भी खुश हैं। हाल ही में, विदामुयार्ची के निर्माताओं ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म से रेजिना कैसंड्रा का पहला पोस्टर साझा किया। अभिनेत्री एक खास अंदाज में दिख रही हैं, जिसमें वे एक क्रॉप्ड शर्ट, बैगी डेनिम ट्राउजर, ब्लैक जैकेट और बीन कैप पहने हुए नजर आईं। पोस्टर में वे सड़क पर चलती हुई दिखाई दे

रही हैं। वहीं अजित कुमार और तृषा की झलक भी बैकग्राउंड में दिखाई दे रही है और उनके चेहरे पर गंभीर भाव है। फिल्म के प्रोडक्शन हाउस लाइका प्रोडक्शंस ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, विदामुयार्ची से अभिनेत्री रेजिना कैसंड्रा का लुक पेश किया जा रहा है। बहादुरी की कोई सीमा नहीं होती। इस प्रोजेक्ट को लेकर उत्साहित अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर प्रोडक्शन बैनर के एक्स अकाउंट पोस्ट को डांसिंग इमोजी के साथ फिर से साझा किया। हालांकि, बहुप्रतीक्षित फिल्म में रेजिना कैसंड्रा के किरदार के बारे में अभी तक कुछ भी खुलासा नहीं किया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार विदामुयार्ची 1997 में रिलीज हुई अमेरिकी फिल्म ब्रेकडाउन पर आधारित है। हाल ही में प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर बताया था कि मैगिज थिरुमेनी निर्देशित इस फिल्म के आधिकारिक पोस्टर में कर्ट रसेल अभिनीत फिल्म ब्रेकडाउन से काफी समानताएं हैं, जिसमें जेफ टेलर की कहानी बताई गई है, जो अपनी लापता पत्नी एमी टेलर की तलाश में था। हालांकि, अभी तक निर्माताओं ने फिल्म की कहानी को लेकर कोई जानकारी नहीं दी है। विदामुयार्ची को फिल्म निर्माता मगिज थिरुमेनी ने लिखा और निर्देशित किया है। इस फिल्म के जरिए अजित और मगिज थिरुमेनी पहली बार साथ काम कर रहे हैं। लाइका प्रोडक्शंस इस फिल्म का निर्माण कर रहा है। अनिरुद्ध रविचंदर ने फिल्म के लिए गाने और मूल संगीत तैयार किया है। नीरव शाह फोटोग्राफी के निर्देशक हैं। अजित कुमार अर्जुन की भूमिका निभा रहे हैं और तृषा उनकी पत्नी पल्लवी की भूमिका में हैं। हालांकि, फिल्म की आधिकारिक रिलीज की तारीख की घोषणा अभी नहीं की गई है, लेकिन रिपोर्ट के अनुसार, लाइका प्रोडक्शंस फिल्म को अक्तूबर 2024 में आयुध पूजा या दीपावली के अवसर पर फिल्म को रिलीज करने के लिए उत्सुक है।

फरहान अख्तर ने किया भारत-चीन युद्ध पर बेस्ड नई फिल्म 120 बहादुर का ऐलान, सामने आया धांसू पोस्टर

एक्टर, डायरेक्टर और प्रोड्यूसर फरहान अख्तर ने अपनी नई फिल्म का एलान किया है. फरहान अख्तर की नई फिल्म एक रियल वॉर बेस्ड

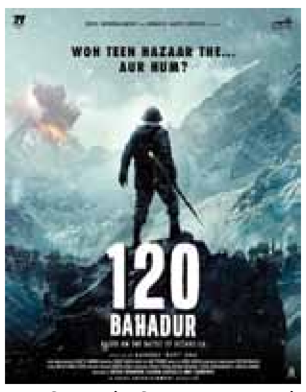

फिल्म है, जिसका टाइटल है 120 बहादुर. फरहान अख्तर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर नई फिल्म का एलान करते हुए इसका मोशन पोस्टर भी जारी किया है. फिल्म 120 बहादुर की कहानी क्या है? कौन इस फिल्म को डायरेक्ट करेगा? फिल्म की स्टारकास्ट में कौन-कौन शामिल है आइए जानते हैं. फरहान अख्तर ने अपनी नई फिल्म का एलान कर लिखा है, जो उन्होंने हासिल किया, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकेगा, मेरे लिए यह एक बड़े ही गौरव और सम्मान की बात है कि मैं आपको आदरणीय परम वीर चक्र से सम्मानित मेजर शैतान सिंह और चार्ली कंपनी, 13 कुमाऊं रेजिमेंट के सैनिकों की कहानी प्रस्तुत कर रहा हूं, 18 नवंबर 1962 को भारत-चीन युद्ध के दौरान लड़ी गई प्रसिद्ध रेजांग ला की लड़ाई, यह हमारे वीर सैनिकों की अद्वितीय वीरता, अदम्य साहस और नि:स्वार्थता की कहानी है, हम अत्यंत आभारी हैं कि इस अद्भुत वीरता की गाथा को पर्दे पर लाने में हमें भारतीय सेना का समर्थन और पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ. फिल्म 1962 के भारत-चीन युद्ध को दिखाएगी. बता दें, इस जंग में हमारी हार हुई थी. भारत-चीन युद्ध में चीन के 3 हजार सैनिकों के सामने भारत के 120 बहादुरों सैनिकों ने जमकर लोहा लिया था. फिल्म 120 बहादुर को रजनीश रजी घई डायरेक्ट करने जा रहे हैं. फिल्म की स्टोरी और स्क्रीनप्ले राजीव जी मेनन ने किया है. फिल्म के डायलॉग लिखने का काम सुमित अरोड़ा ने किया है.

मिर्जापुर की एक्ट्रेस नेहा सरगम ने बंगाली अवतार में गिराई हुस्न की बिजलियां

एक्शन क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज मिर्जापुर में सलोनी त्यागी की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री नेहा सरगम ने नए फोटोशूट की एक झलक साझा की, जिसमें वे बंगाली साड़ी में नजर आ रही हैं। इंस्टाग्राम पर 8.20 लाख फॉलोअर्स वाली नेहा ने कुछ तस्वीरें साझा की, जिसमें वह गोल्डन और लाल बॉर्डर वाली बंगाली साड़ी में नजर आ रही हैं। उन्होंने इसके साथ मैचिंग स्लीवलेस ब्लाउज पहना हुआ है। मेकअप के लिए उन्होंने पारंपरिक बंगाली लुक चुना है और अपने माथे पर कल्का लगाया हुआ है। यह एक डिज़ाइन है जो बीच में लाल बिंदी और भौंहों के साथ पैटर्न के साथ बनाया गया है। उन्होंने अपने बालों को ढिलाई से बांधा हुआ है और हाथों में सुनहरे रंग की चूड़ियां और झुमके पहन रखे हैं। उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, कभी-कभी लगता है अपुन बंगाली है.. देव बाबू? मिर्जापुर 3 में अली फजल, श्वेता त्रिपाठी, रसिका दुग्गल, विजय वर्मा, ईशा तलवार मुख्य भूमिका में हैं। नया सीजन पूर्वांचल क्षेत्र पर नियंत्रण की लड़ाई के इर्द-गिर्द घूमता है। एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, गुरमीत सिंह और आनंद अय्यर द्वारा निर्देशित, यह शो प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रहा है। नेहा इससे पहले चांद छुपा बादल में, सपना बाबुल का... बिदाई, ये रिश्ता क्या कहलाता है, रामायण, ये है आशिकी, पुनर्विवाह - जिंदगी मिलेगी दोबारा, डोली अरमानों की, इस प्यार को क्या नाम दूं? एक बार फिर, डोली अरमानों की और परमावतार श्री कृष्ण जैसे टीवी शो में अपना किरदार निभा चुकी हैं। कॉन्टिलो एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित शो यशोमती मैया के नंदलाला में उन्होंने यशोदा की भूमिका निभाई। इसमें राहुल शर्मा और हितांशु जिंसी मुख्य भूमिकाओं में थे और इसका प्रीमियर सोनी पर हुआ था।

लाइट ब्राउन कलर की ड्रेस में अभिनेत्री सारा अली खान ने शेयर की दिलकश तस्वीरें

अभिनेत्री सारा अली खान ने कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें वह मिट्टी के रंगों में रंगी गुड़िया जैसी दिख रही हैं। सारा ने इंस्टाग्राम पर लाइट ब्राउन कलर की ट्यूब ड्रेस पहनी हुई कई तस्वीरें शेयर की हैं। अभिनेत्री ने अपने पहनावे को सुनहरे आभूषणों और एक जैक्विमस बैग के साथ पूरा किया। इस लुक के लिए उन्होंने हल्के मेकअप को चुना है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, "हालांकि हम सुंदरता को खोजने के लिए दुनिया भर में यात्रा करते हैं, हमें इसे अपने साथ रखना होगा, अन्यथा हम इसे नहीं ढूंढ पाएंगे।" अभिनेत्री ने हाल ही में फिल्म निर्माता अनुराग बसु और अपना 'मेट्रो... इन डिनो' के सह-कलाकार आदित्य रॉय कपूर के साथ फोटो-शेयरिंग ऐप पर एक पोस्ट साझा की थी। तीनों को कैमरे पर अजीबोगरीब चेहरे बनाते हुए देखा जा सकता है क्योंकि उन्होंने एक साथ पोज दिया था। कैप्शन में उन्होंने लिखा, "मेट्रो इन डिनो.... पागलपन में हम तीनों।" अभिनय की बात करें तो, सारा ने 2018 में अभिषेक कपूर की रोमांटिक प्रेम कहानी 'केदारनाथ' से दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के साथ अभिनय की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने रोहित शेट्टी द्वारा निर्देशित और रोहित शेट्टी पिक्चर्स, रिलायंस एंटरटेनमेंट और धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित एक्शन फिल्म 'सिम्बा' में काम किया। इस फिल्म में रणवीर सिंह, सोनू सूद और अजय देवगन ने कैमियो भूमिका में 'सिंघम' की अपनी भूमिका को दोहराया। सारा 'लव आज कल', 'कुली नंबर 1', 'अतरंगी रे', 'गैसलाइट', 'जरा हटके, जरा बचके' और 'मर्डर मुबारक' जैसी फिल्मों का भी हिस्सा रही हैं। उन्हें आखिरी बार ऐतिहासिक जीवनी पर आधारित फिल्म 'ऐ वतन मेरे वतन' में उषा मेहता के रूप में देखा गया था, जो 1942 में भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इर्द-गिर्द घूमती है। यह कन्नन अय्यर द्वारा लिखित और निर्देशित और करण जौहर द्वारा निर्मित है, जिसमें एलेक्स ओ नेल और इमरान हाशमी भी हैं। यह फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही है। वह 'स्काई फोर्स' और 'ईगल' में भी नजर आएंगी।

इंडस्ट्री ने हमेशा से ही मुझे अपनी कहानियां कहने का मौका दिया : अनुष्का रंजन

अभिनेत्री अनुष्का रंजन अपनी पहली फिल्?म को लेकर पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें हमेशा इंडस्ट्री ने अपनी खुद की कहानियां देने के लिए हमेशा प्रेरित किया है। निर्माता अनु और शशि रंजन की बेटी अनुष्का ने कहा, निर्माता के रूप में इस यात्रा पर निकलना एक सपने जैसा है, जिसे मैंने वर्षों से संजोया है। सिनेमा की दुनिया से गहराई से जुड़े परिवार में पली-बढ़ी होने के कारण मुझे हमेशा इंडस्ट्री में अपनी कहानियों का योगदान देने की प्रेरणा मिली है। इस प्रोजेक्ट को लेकर जानकारी अभी गुप्त रखी गई है। मगर प्री-प्रोडक्शन का काम पहले ही पूरे जोरों पर चल रहा है। इसकी शूटिंग अगले साल के आरंभ में ही शुरू की जाएगी। उन्होंने आगे कहा, यह फिल्म मेरे दिल में एक खास जगह रखती है, और प्री-प्रोडक्शन प्रक्रिया अविश्वसनीय ऊर्जा और उत्साह से भरी हुई है। मैं एक ऐसी टीम के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूं जो कहानी कहने के मेरे विजन और जुनून को दिखाती है। उन्होंने कहा कि यह अभी भी तय नहीं हुआ है कि मैं या मेरे पति आदित्य सील कलाकारों का हिस्सा होंगे या नही। मगर मेरा पूरा ध्यान एक आकर्षक कहानी बनाने पर है जो दर्शकों को आकर्षित करेगी।